बर्षः- 05
अंकः- 323
मुरादाबाद
(Thursday)
19 March 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

योगी सरकार के नौ सालः सीएम बोले- हमने पीएम मोदी को 28 मार्च को जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन करने का न्योता भेजा है

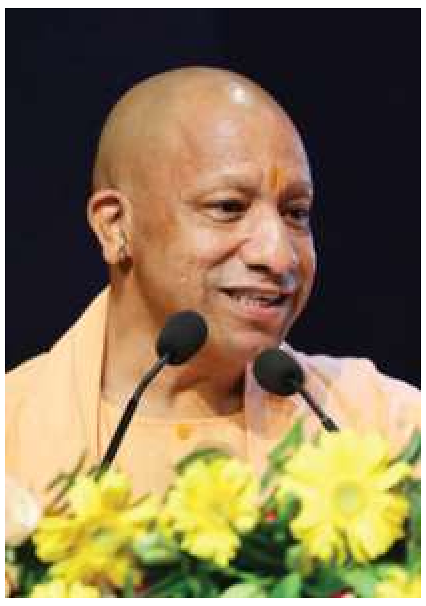

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी में भाजपा सरकार के नौ साल पूरे होने पर पुस्तक का विमोचन किया और इस दौरान प्रदेश की उपलब्धियों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि 28 मार्च को देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट का उद्घाटन होने वाला है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में बीते नौ साल में भाजपा सरकार होने का परिणाम यह है कि देश का सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क यूपी के पास है। प्रदेश के सर्वाधिक सात शहरों में मेट्रो का संचालन हो रहा है। लखनऊ, कानपुर, आगरा, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ में मेट्रो सेवा का शुभारंभ किया।

देश की पहली रैपिड रेल दिल्ली और मेरठ के बीच प्रारंभ हो चुकी है। देश का पहला रोपवे वाराणसी में बन रहा है और देश का पहला इनलैंड वाटर वे वाराणसी से हल्दिया के बीच उत्तर प्रदेश में बना है। एयर कनेक्टिविटी के लिए उत्तर प्रदेश में 16 डोमेस्टिक एयरपोर्ट और चार इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन हो रहा है। वहीं, हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 28 मार्च को देश के सबसे बड़े जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन करने का न्योता भेज दिया है। मतलब 2017 के पहले जिस प्रदेश की पहचान दंगों और खराब कानून व्यवस्था से होती थी उसकी पहचान आज विकास, सुशासन और इंफास्ट्रक्चर से हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में भाजपा सरकार के नौ साल पूरे होने पर लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे।मुख्यमंत्री योगी ने उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व विकास और सतत समृद्धि के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर बुधवार को लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में नव निर्माण के 9 वर्ष पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन व उनकी विजनरी नेतृत्व क्षमता के तहत बीते 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में जो परिवर्तन हुआ है, वह डबल इंजन सरकार की नीतियों, पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम, जनप्रतिनिधियों की सेवा भावना और जनता जनार्दन के सहयोग का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता को इन 9 वर्षों की उपलब्धियों के लिए हृदय से बधाई देते हुए कहा कि यह परिवर्तन 25 करोड़ प्रदेशवासियों की सामूहिक शक्ति का प्रतीक है। पहले न बेटियां सुरक्षित थीं न व्यापारी-मुख्यमंत्री ने कहा कि इन 9 वर्षों की यात्रा को समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि 2017 से पहले प्रदेश की स्थिति क्या थी। उत्तर प्रदेश जैसे असीम संभावनाओं वाले राज्य को पहचान के संकट का सामना करना पड़ रहा था। दुनिया की सबसे उर्वर भूमि और प्रचुर जल संसाधनों के बावजूद किसान आत्महत्या के लिए मजबूर था। प्रदेश का कारीगर, जो अपनी कला के लिए प्रसिद्ध था, वह उद्यमी बनने के बजाय श्रमिक बनकर पलायन करने को विवश था। युवाओं के सामने पहचान और रोजगार का संकट था, भर्ती प्रक्रियाएं भ्रष्टाचार और वसूली से प्रभावित थीं। कानून-व्यवस्था की स्थिति ऐसी थी कि न बेटियां सुरक्षित थीं, न व्यापारी, और न ही आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस करता था। प्रदेश में विकास के लिए कोई स्पष्ट विजन नहीं था, जिसके कारण युवा वर्ग निराश होकर या तो पलायन करता था या संघर्ष में उलझा रहता था।

लोकसभा से निलंबन रद्द होने के बाद राहुल गांधी ने सांसदों से की मुलाकात, संसद की कार्यवाही पर चर्चा

राहुल गांधी ने लोकसभा से निलंबन रद्द होने वाले सांसदों से बुधवार को मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान संसद की कार्यवाही पर चर्चा की।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कांग्रेस सांसदों से मुलाकात की। यह वे सांसद हैं जिनका निलंबन मंगलवार को रद्द किया गया था। उन्होंने नई दिल्ली में उनके साथ चाय और कॉफी साझा की। यह अनौपचारिक बैठक केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की ओर से सदन में पेश किए गए प्रस्ताव के बाद आठ कांग्रेस सांसदों का निलंबन वापस लेने के एक दिन बाद हुई। यह निरस्तीकरण बजट सत्र की कार्यवाही के दौरान कांग्रेस के कुछ सदस्यों के आचरण पर कांग्रेस नेतृत्व की ओर से खेद व्यक्त करने के बाद हुआ। पार्टी सूत्रों के अनुसार, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने फैसले के बाद सांसदों से बातचीत की। इसके साथ ही निलंबन और उसके निरस्तीकरण से संबंधित घटनाक्रमों पर चर्चा की। सांसदों ने उन्हें निलंबन की अवधि के दौरान सदन में घटी घटनाओं के बारे में भी जानकारी दी।निलंबित सांसदों में अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, मणिकम टैगोर, गुरजीत सिंह औजला, हिबी ईडन, सी. किरण कुमार रेड्डी, प्रशांत यदाओराव पाडोले, एस. वेंकटेश और डीन कुरियाकोस शामिल हैं, ये सभी कांग्रेस पार्टी से संबंधित हैं। दरअसल, लोकसभा में तीखी बहस के दौरान कार्यवाही में बाधा डालने और अध्यक्ष की ओर कागज फेंकने के आरोपों के बाद आठ सांसदों को 3 फरवरी को बजट सत्र के शेष समय के लिए निलंबित कर दिया गया था।इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कई कांग्रेस सांसदों ने निलंबन रद्द किए जाने का स्वागत किया। इस मुद्दे को सुलझाने के लिए पार्टी नेतृत्व और अध्यक्ष को धन्यवाद दिया। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि विपक्ष सार्वजनिक मुद्दों को उठाना जारी रखेगा संसद में विपक्षी सदस्यों के साथ हो रहे भेदभाव के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगा। सांसदों ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सदन में जनता की चिंताओं को उठाने के लिए बहसों और चर्चाओं में उनकी भागीदारी आवश्यक है।

संक्षिप्त समाचार

रिफाइनरियों में एलपीजी उत्पादन 40% बढ़ा, सरकार ने लोगों से की अफवाहों से बचने की अपील

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत में ऊर्जा आपूर्ति पर सरकार ने अहम जानकारी साझा की है। इसके अलावे होर्मुज में फंसे जहाजों और नाविकों के बारे में भी बताया गया हैपश्चिम एशिया में जारी हालिया तनाव और भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच भारत सरकार ने घरेलू ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए रणनीतिक कदम उठाए हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने एक अंतरमंत्रालयी प्रेसवार्ता में साफ किया देश में कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। आपूर्ति को सुचारू रखने के लिए रिफाइनरियों से घरेलू एलपीजी के उत्पादन में लगभग 40त्न की भारी वृद्धि की गई है।मंत्रालय ने अफवाहों से बचने की सलाह देते हुए आश्वस्त किया है कि किसी भी खुदरा आउटलेट या डिस्ट्रीब्यूटरशिप पर गैस की कोई कमी नहीं है और घरेलू पीएनजी और परिवहन सीएनजी उपभोक्ताओं को 100त्न आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। वहीं, जहाजरानी मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि होर्मुज में फिलहाल 22 जहाज और 600 से अधिक नाविक विभिन्न जहाजों पर फंसे हैं। वे सभी फिलहाल सुरक्षित हैं।वर्तमान परिस्थितियों में घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं की आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। शुरुआत में व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की बिक्री में जो कटौती की गई थी, उसे अब आंशिक रूप से बहाल कर दिया गया है।

पीएम मोदी ने युवाओं को दिया वीरता का मंत्र, एक्स पर शेयर किया आत्मविश्वास बढ़ाने वाला वीडियो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ाया। इसके साथ ही उन्होंने वीरता का मंत्र भी दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शौर्य के महत्व और एक वीर व्यक्ति के पूरे विश्व पर पड़ने वाले गहरे प्रभाव को रेखांकित करते हुए एक संस्कृत सुभाषित शेयर किया है। उन्होंने कहा कि वीरता और पराक्रम ही वह पूंजी हैं, जिनके बल पर हर कठिनाई का सामना किया जा सकता है। भारत के युवाओं का साहस और आत्मविश्वास इस दिशा में प्रेरणा का काम करता है।क्या है इसका अर्थ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, वीरता और पराक्रम वो पूंजी है, जिससे हर कठिनाई का सामना किया जा सकता है। भारत के युवाओं का साहस और आत्मविश्वास इसी की प्रेरणा देता है। उन्होंने संस्कृति सुभाषित शेयर करते हुए लिखा, एकेनापि हि शूरेण पादाक्रान्तं महीतलम्। क्रियते भास्करेणेव स्फारस्फुरिततेजसा।सुभाषित में कहा गया है, सूर्य जिस प्रकार अपने प्रखर और विस्तृत तेज से समग्र पृथ्वी को प्रकाशित करता है, उसी प्रकार एक वीर पूरी पृथ्वी को अपने पराक्रम से प्रभावित करता है। संस्कृत सुभाषित शेयर इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को संस्कृत में एक सुभाषित शेयर किया, जिसमें जीवन की सबसे कठिन बाधाओं को दूर करने में आत्मविश्वास और आंतरिक शक्ति के महत्व का उल्लेख किया गया। उन्होंने कहा कि साहस और दृढ़ संकल्प से परिपूर्ण व्यक्ति के लिए जीवन में कुछ भी असंभव नहीं है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, जो व्यक्ति साहस और संकल्प से भरा हो, उसके लिए जीवन में कुछ भी असंभव नहीं। आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति के बल पर हम कठिन से कठिन चुनौतियों को पार कर सकते हैं। एकोऽपि सिंहः साहस्रं यूथं मथ्नाति दन्तिनाम् । तस्मात् सिंहमिवोदारमात्मानं वीक्ष्य सम्पतेत्॥ इस संस्कृत सुभाषित में कहा गया, जिस प्रकार एक शेर में हजार हाथियों को हराने की शक्ति होती है, उसी प्रकार एक व्यक्ति को शेर की तरह निडरता, साहस, आत्मविश्वास और आंतरिक शक्ति के साथ नेक कार्यों में संलग्न होना चाहिए।

मोहब्बत हमसे, शादी उनसे?: देवेगौड़ा पर खरगे का तंज, राज्यसभा में लगे ठहाके, प्रधानमंत्री मोदी भी मुस्कुराए

राज्यसभा में सांसदों की विदाई के दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे ने मजाकिया अंदाज में देवेगौड़ा और अठावले पर तंज कसे, जिससे पूरा सदन ठहाकों से गुज उठा। उन्होंने कहा कि राजनीति में कोई सेवानिवृत्त नहीं होता और देश सेवा का जज्बा हमेशा बना रहता है। खड़गे ने सदन के अनुभवों को कीमती बताया और नेताओं के संसदीय कार्यों की प्रशंसा की।राज्यसभा में सांसदों की विदाई के दौरान विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने मजाकिया अंदाज से सबको लोटपोट कर दिया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले पर ऐसी बातें कही कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए।सदन को संबोधित करते हुए खरगे ने देवेगौड़ा का जिक्र किया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, %मैं देवेगौड़ा को 54 वर्षों से जानता हूं। उनके साथ ही मैंने काम किया, लेकिन क्या हुआ मुझें मालूम नहीं। उन्होंने प्रेम हमारे साथ किया, मोहब्बत हमारे साथ किया और शादी मोदी साहब के साथ कर ली। ये जल्दी ही हुआ कैसे हुआ मुझे मालूम नहीं।% खरगे की इस बात पर पीएम मोदी सहित पूरा सदन ठहाकों से गुज उठा। इसके बाद उन्होंने रामदास अठावले पर भी मजाकिया अंदाज में निशाना साधा। खरगे ने हंसते हुए कहा कि अठावले अपनी कविताओं में हमेशा पीएम मोदी की तारीफ करते हैं। लगता है कि अठावले को मोदी जी की तारीफ के अलावा कोई और कविता आती ही नहीं है। जिससे सदस्यों के बीच फिर से हंसी की लहर दौड़ गई।

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने नितिन गडकरी से की मुलाकात

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर राजस्थान की बसों की सुरक्षा और बॉडी निर्माण पर चर्चा की। हाल की स्लीपर बस आग घटनाओं के बाद जारी नए नियमों के पालन की कमी पर गडकरी ने चिंता भी जताई।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की।

यह मुलाकात संसद परिसर में हुई और मुख्य विषय राजस्थान की बसों की सुरक्षा और बस बॉडी निर्माण से जुड़ा था। इसके साथ ही इस बैठक में एनएचएआई परियोजनाओं और राजस्थान में आरटीओ बस रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।

मुलाकात के दौरान प्रियंका और राहुल गांधी ने इस मुद्दे को उठाया क्योंकि हाल में स्लीपर बसों में आग लगने की घटनाओं के बाद केंद्र सरकार ने बस बॉडी निर्माण के लिए नए सुरक्षा नियम जारी किए हैं।बता दें कि संसद के शीतकालीन सत्र में भी प्रियंका गांधी ने गडकरी से मिलने की मांग की थी, जिसके तुरंत बाद यह मुलाकात हुई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी मुलाकात के वीडियो में गडकरी को यह कहते सुना जा सकता है कि कई बस निर्माता नियमों का पालन नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ बसों में एसी और अन्य उपकरण इस तरह लगाए जाते हैं कि अगर आग लग जाए तो यात्री सुरक्षित बाहर नहीं निकल पाते। गडकरी ने इसे गंभीर समस्या बताया और कहा कि लोगों की जान खतरे में डालने वाला काम स्वीकार्य नहीं है।राहुल-प्रियंका ने क्या सुझाव किए? इसके साथ ही इस मुलाकात में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने गडकरी को नियमों के पालन और जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुझाव दिए। इसके बाद गडकरी ने आश्वासन दिया कि नियमों का सख्ती से पालन होगा और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।मुलाकात के बाद कांग्रेस महासचिव व सांसद प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि मुलाकात में ट्रक और बस संबंधी चिंताओं पर चर्ता हुई। प्रियंका ने बताया कि हमने परिवहन मंत्री के सामने ड्राइविंग लाइसेंस के लिए खर्च होने वाले ज्यादा पैसा और समय लगने का का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि गडकरी जी ने कहा है कि वे उनकी समस्या को जल्दी हल करेंगे।

संपादकीय Editorial

Transfers driven by electoral bias

Elections are to be held, not a litmus test for top officials. Officials are not captives of the BJP or the Trinamool Congress. They are accountable to the law and the Constitution. There may be exceptions if someone proves to be a "black sheep." They can be punished. They can be transferred to some "black water," but the manner in which senior IAS and IPS officers have been transferred in West Bengal is neither fair nor impartial. The Election Commission announced the election dates at 4 p.m., and in the dead of night, the Chief Secretary of Bengal, the Home Secretary, the Director General of Police, the Chief of Law and Order, and the Kolkata Police Commissioner, among others, were simultaneously transferred. We recognize that Article 324 of the Constitution grants the Election Commission broad powers, but these transfers have been made with political motives and bias. The Supreme Court has also ruled that such top officials cannot be transferred before two years. These officers are the most senior in their respective fields and are recommended by the Union Public Service Commission. They are not employed by any political boss. The question also arises: how does the Election Commission know that these officers cannot conduct fair and violence-free elections, or that they are all loyal to Chief Minister Mamata Banerjee? The Commission has shaken up Bengal's top bureaucracy in one fell swoop. Will the Election Commission handle day-to-day administration? If administrative changes have been made in Bengal, why haven't they been done in Tamil Nadu and Kerala? In Assam, the SSPs of five districts have been replaced for show. There are suspicions that the Election Commission is acting as a puppet. This is ironic and unfortunate for India, as our Election Commission has been a global example, and representatives from various countries act as "observers" during our elections. Indeed, Bengal has a long history of political violence. Previously, the Left used to orchestrate murders in every village and town. Now, since 2011, Chief Minister Mamata Banerjee's political cadre has been carrying out the killings. Prime Minister Modi has publicly mentioned these political violence incidents. Seven such murders were committed during the Lok Sabha elections, and 740 people were injured. No official figures are available on the number of survivors. Houses were even burned down. After the murders, bodies were hung from trees. In Kerala, the violence is so barbaric that even active opposition activists and leaders are maimed by breaking their legs. No bureaucrat can stop this political violence. The Election Commission must be deluded! In Tamil Nadu, too, numerous instances of violence and brutality have surfaced between Dravidians and Hindus, and non-Dravidians. Why haven't top bureaucrats like the Chief Secretaries, Home Secretaries, and Directors General of Police been replaced in those states? Furthermore, before the 2024 Lok Sabha elections, only the Home Secretaries were replaced in states like Gujarat, Uttar Pradesh, Bihar, Himachal Pradesh, Jharkhand, and Uttarakhand. Except for Himachal Pradesh and Jharkhand, the remaining states were under BJP-NDA governments, and still are. When assembly elections were held in Maharashtra, Haryana, Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, and the opposition Congress party demanded the replacement of some senior officials, why did the Election Commission reject it? These states also had, and still have, BJP-NDA governments. It's clear that the Election Commission's behavior has been biased. Indeed, the meaning of a constitutional institution is not to act and make decisions autocratically.\

Opportunism, another name for politics, is moving towards becoming ideologically devoid.

Cross-voting has become common in Rajya Sabha elections, where MLAs vote for a candidate from another party instead of their own. This trend was evident in recent elections in Bihar, Odisha, and Haryana. This is often due to greed for money or a lack of a future in the party.

Cross-voting in Rajya Sabha elections is Odisha, and Haryana. Money power and politics. Cross-voting in Rajya Sabha Generally, cross-voting is seen somewhere a particular party vote for a candidate voting were rare and usually occurred but now even newly elected MLAs are is to simply not vote for one's own party in the recent Rajya Sabha elections in five months since the Bihar Assembly now common. MLAs cross-voted in Bihar, opportunism are a growing crisis in Indian elections is no longer a new phenomenon. in Rajya Sabha elections, meaning MLAs from from another party. Previously, cases of cross-when MLAs were in the final stages of their term, engaging in this practice. One way to cross-vote or alliance candidate. Cross-voting was evident Bihar, Odisha, and Haryana. It hasn't even been elections, yet one RJD MLA and three Congress MLAs felt it was necessary to facilitate the NDA candidate instead of the Grand Alliance. Ironically, while MLAs from BSP and AIMIM, parties outside the Grand Alliance, voted in favor of the NDA candidate, their own members betrayed them. The RJD may be less saddened by the betrayal of only one MLA, but what can the Congress do when three of its six MLAs didn't even consider it necessary to vote? This means half the party has indirectly sided with the other camp. Congress can suspend or expel these MLAs, but their membership won't be easily lost. If they remain MLAs, their health won't be affected. The RJD MLA who benefited the NDA candidate by not voting was previously with the JDU, and his election result has also been challenged. Perhaps they feared losing their MLA positions due to a court decision, but it would be difficult for the Congress leadership to understand why half of its MLAs betrayed them. Usually, there are only two reasons: greed for money or a lack of a future in their own party. Sometimes, both factors play a role. The Congress suffered a bigger setback in Odisha than in Bihar. Here, three of its MLAs voted for a BJP-backed candidate instead of the joint Congress-BJD candidate. The most talked-about among these MLAs was Sophia Firdous. She had been elected Odisha's first female Muslim MLA in the elections held nearly two years ago. The Congress suspended Ramesh Jena and Dashrath Gomango, who cross-voted with Sophia, saying their future was bright, but they probably didn't believe that. Eight BJD MLAs also cross-voted with the Congress in Odisha. This indicates that the BJD is becoming increasingly vulnerable after Naveen Patnaik's ouster from power. Cross-voting also occurred in Haryana, but even here, the Congress managed to salvage its honour despite the setback. Here, five of its MLAs cross-voted. Fortunately, its candidate still managed to win. Four votes of Congress MLAs were also found invalid. It's difficult to know whether these four MLAs were unaware of their voting rights or simply didn't want to vote for their candidate. Whatever the case, the Haryana Congress Working President resigned following this cross-voting incident. The resignation is attributed to allegations of cross-voting against his MLA wife. Cross-voting has occurred in Rajya Sabha elections in Haryana before, and votes have been invalidated for not casting votes correctly. This is not surprising in Haryana, the same state where defection has been labeled "Aayaram-Gayaram." Despite having a substantial majority in Rajya Sabha elections, the reason for the opposition party, its supported party, or independent candidates winning is due to cross-voting, disregarding political loyalty. Often, the direct reason for the victory of such candidates is money power. It's no secret that cases of winning Rajya Sabha elections through the use of money have been in the news. Such discussions can never be confirmed, but everyone knows that money power plays a vital role in every election, even during votes of confidence for governments. This role is evident because party loyalty and political ideology have lost all value. Every leader often invokes ideology, claiming that their political battle is truly a struggle of ideology, but now such claims are merely a sham. This is why defections occur during every election. As Assembly or Lok Sabha elections approach, leaders race to defect en masse. Ironically, even then, those who defect invoke ideology. Their party loyalty and ideology change overnight. Because all parties encourage defections, i.e., political opportunism, Indian politics is gradually becoming devoid of ideology and political values.

Trump is turning America into chaos; attacking Iran is a violation of international norms.

This article by Nicholas Kristof criticizes the US attack on Iran, calling it a violation of international norms. Citing the humanitarian crises in Gaza, Ukraine, and Sudan, it highlights the erosion of civilian protection standards during war. The US attack on Iran is a clear violation

of international norms. Civilian eroding in war. Trump's policies Imagine Iran landing its agents in border at US military bases. Even negligence, such an attack destroys 175 lives. They then proceed to chemical rain. In such life come to a standstill, and yet to the point where it will never be President Donald Trump, along outrage at this heinous attack on landscape of war is always tragic. during World War II. The United demonstrating how it could kill introspecting and seeking to clean global efforts to prevent the prevent civilian harm. In addition protection and humanitarian standards are are strengthening extremists in Iran. Mexico and firing a missile from the Texas if they had no intention of doing so, due to an American school, resulting in the loss of burn oil depots and subject people to circumstances, schools, clinics, and normal Iranian leaders threaten to destroy the US able to recover. In such a situation, with all of us, would certainly express our innocent civilians, and rightly so. The This tragedy took a more horrific turn States demonstrated its lethal capabilities, millions in a matter of hours. After the war, up its own stains, the United States initiated escalation of war and, in particular, to to protocols like the Geneva Convention, numerous other measures were taken to ensure that infrastructure such as drinking water sources are not targeted during war, thus minimizing civilian suffering. However, even this tradition, which nurtures civilization and humanity, has been shattered many times in recent years. After the attack on Ukraine, Russia even cut off electricity to civilians. This made the bone-chilling winter even more merciless for the people of Ukraine. According to a UN commission, Israel left Palestinians in Gaza starving. It heavily bombed health centers and educational institutions, even targeting children. The United Arab Emirates encouraged militias in Sudan that committed mass rapes and massacres, adding to the already hard-pressed population. As for Gaza, the devastation was caused by US-supplied weapons, and Washington refrained from even condemning its ally. Despite this, it continued to advocate for maintaining normal practices even during the war, albeit half-heartedly. Regarding Iran, I fear it would not be surprising if it reversed its stance. This war could throw aside the very values ??to which all civilized nations considered themselves bound. Values ??that are considered essential to preserving our shared humanity. The attack on Iran appears to violate international norms, as it was neither authorized by the United Nations nor warranted in self-defense. Iran alleges that its plant, which supplies drinking water to 30 villages, was also targeted. However, the US and Israel have denied this allegation. The Iranian Red Crescent Society also states that 14 medical colleges, 65 schools, and 17,000 homes in the country were hit. Regarding the current situation, UNICEF states that more than 1,100 children have been killed so far due to the fighting in various countries. I am even more concerned that if Trump's frustration grows and his pre-determined targets fail to achieve his goals, he may attack not only military installations but also civilian infrastructure such as the electric grid, highways, and bridges, inflicting significant damage on Iran. This will increase the hardships of citizens and could spark discontent. The President and his circle have expressed such intentions. Trump has explicitly told the press, "If they dare, they will be taught a lesson from which no one in the world will be able to help them recover." The entire world is watching. While some countries have justified the attack on Iran, there are also many who oppose it. Spanish Prime Minister Pedro Sanchez has called the US-Israeli attack on Iran reckless and illegal. The Swiss Defense Minister has said that the US attack violates international law. Former French Prime Minister Dominique de Villepin has called for restraint on the US war, calling it "illegal, immoral, ineffective, and deadly." Some even believe that Trump is bent on turning America into a directionless and chaotic country. There are many other practical reasons to oppose this war launched by Trump. Instead of eroding the foundation of Iran's dictatorship, it has strengthened it. In the coronation of Mojtaba Khamenei, we have installed a leader who is even more hardline than his father. The disruption has caused oil and gas prices to soar, and fertilizer supplies are in doubt. Regarding the loss of life and property, there is a strong possibility that the situation will worsen in both the US and Iran after the war. This war will also be remembered for how the efforts made at the time to mitigate its horrors and adverse effects were ultimately thwarted. If this happens, humanity will be the biggest sufferer.

आईएसआईएस से जुड़े छात्र के दोस्तों, रिश्तेदारों से भी पूछताछ

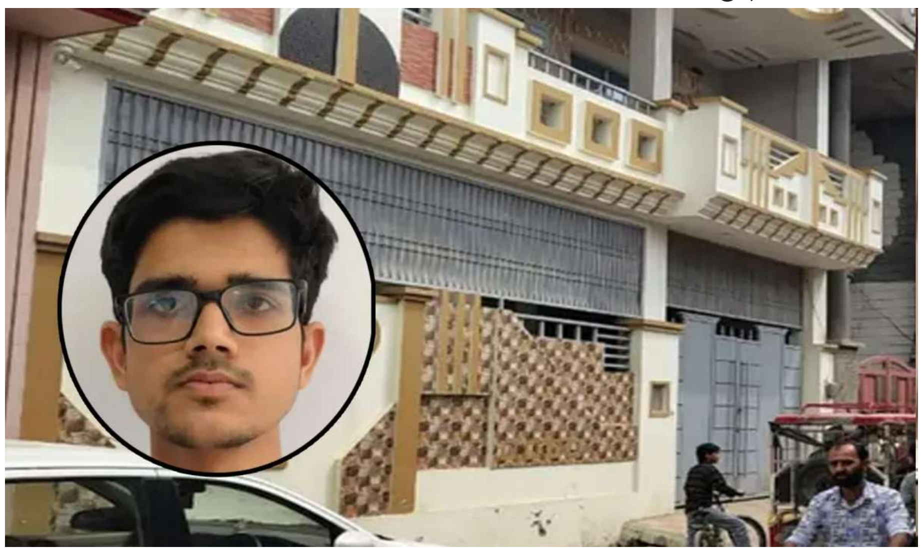

मुरादाबाद। आतंकवादी संगठन आईएसआईएस से जुड़े बीडीएस छात्र की गिरफ्तारी के बाद प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने अपनी जांच का दायरा बढ़ा दिया है। सोमवार को मुरादाबाद स्थित उसकी यूनिवर्सिटी से गिरफ्तार किए गए छात्र हारिश अली से पूछताछ के बाद अब एटीएस उसकी गतिविधियों, संपर्कों और संभावित नेटवर्क को खंगालने में जुटी है। एटीएस की टीम फिलहाल मुरादाबाद में ही डेरा डाले है और आरोपी के नजदीकी दोस्तों,रिश्तेदारों व परिचितों से लगातार पूछताछ कर रही है। जांच एजेंसी को आरोपी के मोबाइल फोन और लैपटॉप से कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। इन डिवाइसों से प्राप्त डाटा के आधार पर संदिग्ध मोबाइल नंबरों और सोशल मीडिया संपर्कों की जांच की जा रही है। आरोपी छात्र ने अपने संपर्क में कुछ अन्य युवाओं को भी जोड़ा था।

एटीएस अब इन युवाओं की पहचान कर उनकी गतिविधियों की पड़ताल कर रही है।इसी कड़ी में विद्यालय परिसर में उसके साथ रहने वाले साथियों और करीबी मित्रों से भी गहन पूछताछ की गई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि आरोपी की विचारधारा और गतिविधियों से कौन-कौन प्रभावित था। जांच का दायरा अब मुरादाबाद तक सीमित नहीं रहा है। एटीएस की टीमें रामपुर और संभल जिलों में भी सक्रिय हो गई हैं, जहां आरोपी के संभावित संबंधों और संपर्कों की जानकारी जुटाई जा रही है। इन जिलों में भी उसके परिचितों और संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जाएगी। एटीएस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। फिलहाल किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी तथ्यों की पुष्टि की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद विद्यालय परिसर और आसपास के इलाकों में भी सतर्कता बढ़ा दी गई है। स्थानीय पुलिस और खुफिया एजेंसियां भी एटीएस के साथ समन्वय बनाकर काम कर रही हैं। एटीएस द्वारा की जा रही इस व्यापक जांच से आने वाले दिनों में और अहम खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

30 भवन व प्रतिष्ठान सील, नगर निगम की टीमों ने वसूले 87.21 लाख रुपये

मुरादाबाद। गृहकर व जलकर के बड़े बकाएदारों के खिलाफ मंगलवार को भी नगर निगम की टीमों ने अभियान चलाया। बकाया जमा न करने वाले 30 से अधिक बड़े बकाएदारों के भवन व प्रतिष्ठान सील किए गए। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी आरती सिंह, कर निर्धारण अधिकारी प्रमोद कुमार के नेतृत्व में टीमों ने बकाएदारों पर सख्ती की। टीमों ने गांधी नगर स्थित जगमोहन सबरवाल पर 3,69,103.30 रुपये बकाया होने के चलते प्रतिष्ठान सील कर दिया। असालतपुरा इस्लामनगर के अकील अहमद के प्रतिष्ठान पर 37,86,479.91 रुपये की बकाएदारी के चलते सील किया गया। सराय गुलजारी मल के प्रबन्धक देवकी नन्द गुप्ता पर 1,71,529.69 रुपये का बकाया था जिसमें 10,000 रुपये जमा किया गया लेकिन पूरा बकाया न चुकाने पर टीम ने उसे सील कर दिया।हाजी अब्दुल राशिद पुत्र सराय गुलजारी मल पर 6,90,16.01 रुपये का बकाया था और सुरेन्द्र कुमार निवासी सीधी सराय के ऊपर 3,41,977.80 रुपये बकाया था जिसमें मात्र 50,000 जमा किया गया इसके चलते प्रतिष्ठान सील किया गया। दीवान का बाजार निवासी मो. फैजान के प्रतिष्ठान पर 1,25,419.28 रुपये की बकाएदारी के चलते सील किया गया। असालतपुरा के मो. नईम पर 3,00,890 रुपये का टैक्स बकाया था जिसमें 30,000 जमा किया गया लेकिन फिर भी सीलिंग की कार्रवाई हुई। अशोक नगर के विकासपुरी पर 2,18,643.61 रुपये बकाया था जिसमें से सिर्फ एक लाख रुपये जमा करने के चलते सील कर दिया गया। सर सैय्यद नगर के जुल्फिकार के प्रतिष्ठान पर 1,57,643.47 रुपये बकाया था। जिसमें से मौके पर 50,000 रुपये जमा करने के बाद भी पूरा चुकता न करने पर प्रतिष्ठान सील किया गया। रहमतनगर के मो. मुशाहिद पर 3,81,759.82 रुपये की बकाएदारी के चलते सीलिंग की कार्रवाई की गई। मो. असलम रेहाना पर 1,05,674.40 रुपये की टैक्स की अदायगी बाकी थी जिसके चलते प्रतिष्ठान सील हुआ। वहीं रहमतनगर के ही राजी उल्ला पर टैक्स का 1,34,837.02 रुपये बकाएदारी के चलते प्रतिष्ठान सील कर दिया गया। इसके अलावा ठठेरा मोहल्ला, पीरजादा, करूला, पंडित नगला, दिल्ली, कांठ और रामपुर रोड पर 17 भवनों की सीलिंग कार्रवाई भी की गई। इस दौरान कर अधीक्षक प्रदीप कुमार चौधरी, मंगल सिंह पापडा के अलावा सभी राजस्व निरीक्षक/ कर संग्रहकर्ता व ईटीएफ के जवान उपस्थित रहे। टीमों ने कुल 87,21,132 रुपये की धनराशि वसूल की।

मूंढापांडे हादसा...घर में अकले कमाने वाले थे अनिल नेगी, मौत से टूट गया परिवार

मूंढापांडे क्षेत्र के मनकरा मोड़ पर सोमवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में जान गंवाने वाले चौथे व्यक्ति की पहचान देर रात अनिल नेगी के रूप में हुई। परिजनों ने मंगलवार सुबह मूंढापांडे थाने पहुंचकर जानकारी ली। परिवार वालों ने बताया कि अनिल रविवार की सुबह बच्चों और अपनी मां के पास आए थे और सोमवार को वापस जा रहे थे। वह परिवार में अकेले कमाने वाले थे।उनके पड़ोसी संजय भट्ट ने बताया कि अनिल मूल रूप से मथुरा के रहने वाले हैं। एक दशक पहले टाटा स्टील फैक्ट्री में हल्द्वानी ब्रांच में नौकरी शुरू की थी। इसके बाद अनिल ने पीली कोठी सर्वोदय कॉलोनी फेस टू में अपना घर बनाया था जिसमें वह अपनी मां और बीवी बच्चों के साथ रहते थे। उन्हें कंपनी ने गाजियाबाद में मार्केटिंग मैनेजर बना दिया था। अनिल का बेटा अभी सातवीं कक्षा और बेटी 12 वीं कक्षा में पढ़ती है। उनके घर में उनके अलावा कोई कमाने वाला नहीं है। सोमवार सुबह करीब 6 बजे रामपुर की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित कार आगे चल रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा घुसी थी। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। इनमें अनिल नेगी भी थे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी मोहित चौधरी ने बताया कि पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही हादसे की मुख्य वजह मानी जा रही है।

दो बाइकों की भिड़ंत में ममेरे-फुफेरे भाइयों समेत तीन की मौत; बहन की डोली से पहले उठेगी भाइयों की अर्थी

खाद गुर्जर मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत में अमित, विपिन और अक्षय की मौत हो गई। अभिषेक गंभीर रूप से घायल है। वे शादी की तैयारी कर लौट रहे थे।बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत में संभल के लाड़म सराय का अमित (29) और उसका ममेरा भाई विपिन (25) निवासी पंजू सराय नौगावां सादात व दूसरी बाइक पर सवार बरखेड़ा सादात के अक्षय (25) की मौत हो गई। पंजू सराय का अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव मोर्चरी पर रखवाए हैं।नौगावां सादात थाना क्षेत्र के गांव पंजू सराय निवासी अभिषेक की बहन की दस दिन बाद शादी है। वह जयमाला करने और दहेज में दिए जाने वाले सामान की जानकारी करने के लिए मंगलवार को अपने तहेरे भाई विपिन और फुफेरे भाई अमित निवासी संभल के लाड़म सराय के साथ बाइक गजरौला आए थे। जयमाला तय कर और दहेज के सामान की जानकारी कर तीनों वापस लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि बाइक को अमित चला रहा था। तीनों की बाइक खाद गुर्जर मार्ग पर बैरमपुर-लंबिया के बीच पहुंची थी। इस दौरान सामने से एक बाइक सवार आ गया। दोनों बाइकों की आमने-सामने की भीषण भिड़ंत हो गई। जिसमें एक बाइक पर सवार संभल के लाड़म सराय का अमित (29) और दूसरी बाइक पर सवार नौगावां सादात थाना क्षेत्र के गांव बरखेड़ा सादात निवासी अक्षय (25) की मौके पर ही मौत हो गई। विपिन और अभिषेक घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने अमित व अक्षय के शव और दोनों घायलों को सीएचसी पहुंचाया। हादसे में मौत की सूचना परिजनों को देने के बाद शव मोर्चरी के लिए भेजे। उधर विपिन की हालत नाजुक होने के कारण रेफर कर दिया गया। रास्ते में उसने भी दम तोड़ दिया। इंस्पेक्टर मनोज कुमार का कहना है कि हादसे में तीन युवकों की मौत का मामला सामने आया है। पुलिस कार्रवाई की जा रही है।

कन्फेक्शनरी व पकौड़ी सेंटर में पकड़े घरेलू व कामर्शियल सिलेंडर

मुरादाबाद। घरेलू गैस सिलेंडर के दुरुपयोग व व्यवसायिक प्रयोग को रोकने के लिए सख्ती के बीच पूर्ति विभाग की टीम ने पाकबड़ा क्षेत्र में कार्रवाई की। एक कन्फेशनरी की दुकान व पकौड़ी सेंटर में अवैध तरीके से घरेलू व कामर्शियल गैस सिलेंडर का उपयोग करते पकड़े जाने पर संचालक के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। मौके पर मिले सिलेंडर को जब्त कर लिया गया। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी आनन्द प्रगु सिंह, तहसील सदर की पूर्ति निरीक्षक विशाखा, सत्यजीत सिंह पूर्ति निरीक्षक महानगर और पूर्ति लिपिक नवीन कुमार सिंह की संयुक्त टीम ने घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक कार्यों में दुरुपयोग रोकने के संबंध में पाकबाड़ा स्थित रेस्टोरेन्ट एवं मिष्ठान भंडारों की जांच की। पाकबाड़ा के मोहल्ला जुम्मेरात का बाजार में एजाजी कन्फेक्शनरी एण्ड पकौड़ी सेंटर में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक कार्य में उपयोग पकड़ा गया।टीमों ने दुकान में एचपी के तीन घरेलू गैस सिलेंडर और एक कामर्शियल सिलेंडर पाया। दुकान मालिक कोई वैध कागजात नहीं दिखा पाया। जिससे स्पष्ट हुआ कि एजाजी कन्फेक्शनरी एंड पकौड़ी सेंटर के मालिक /स्वामी मो. अतीक निवासी जुम्मेरात का बाजार पाकबाड़ा के द्वारा अवैध तरीके से धन अर्जित करने के लिए घरेलू व व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की खरीद-फरोख्त करते घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरुपयोग करते पाया गया। जो द्रवित पेट्रोलियम गैस (रेग्युलेशन ऑफ सप्लाई एण्ड डिस्ट्रिव्यूशन) के प्राविधानों का उल्लंघन है। इसके क्रम में आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 की धारा 3/7 के अन्तर्गत्त दण्डनीय अपराध होने के कारण जिलाधिकारी की अनुमति के बाद टीम ने दुकान स्वामी मोहम्मद अतीक के खिलाफ पाकबाड़ा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। जिलापूर्ति अधिकारी अजय प्रताप सिंह ने बताया कि जिले में रेस्टोरेन्ट/ व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर घरेलू गैस सिलेंडर के व्यावसायिक कार्य में दुरुपयोग रोकने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसाः बिलासपुर में दो बाइकों की भिड़ंत में मजदूर की मौत

बिलासपुर थाना क्षेत्र में गांव अहरो रोड पर दो बाइकों की टक्कर में एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए सीएचसी ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।थाना खजुरिया क्षेत्र के गांव टेहरी ख्वाजा निवासी महमूद हसन मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। बताया जाता है कि मंगलवार की देर शाम वह मजदूरी खत्म होने के बाद गांव अहरो की साप्ताहिक बाजार से सब्जी खरीदकर घर लौट रहे थे। इस दौरान एक पेट्रोल पंप के समीप पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी, कि महमूद सिर के बल जमीन पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। साथ ही मौके पर आस-पास के लोगों समेत राहगीरों की भारी भीड़ एकत्र हो गई। बाद में घायल को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने भी उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस सीएचसी पहुंच गई और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के भाई अनावरुल हसन, भतीजे जुनैद पाशा और बेटे बबलू पाशा व मुदस्सिर पाशा अस्पताल पहुंचे। परिजनों ने बताया कि महमूद अपने घर में पत्नी, दो बेटों और पांच बेटियों के एकमात्र कमाने वाले मुखिया थे। खजुरिया थानाध्यक्ष पंकज पंत ने बताया कि सबको पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया है। कहा कि अभी इस मामले में कोई तहरीर नहीं आई है, तहरीर आने पर कार्रवाई की जाएगी।

जिले में पहले भी पकड़ा जा चुका है आतंकी संगठनों का नेटवर्क

आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) के लिए भर्ती कराने के आरोप में बीडीएस का छात्र पकड़ा गया है। आतंकी संगठनों से मंडल के मुरादाबाद ,संभल और रामपुर के तार जुड़े होने का खुलासा पहले भी कई लोगों के पकड़े जाने से हुआ था।2008 में संभल, मुरादाबाद जनपद की तहसील हुआ करता था। तब थाना नखासा के मोहल्ला दीपा सराय में आसिफ नाम के व्यक्ति को एटीएस लखनऊ ने पकड़ा था। आसिफ पर नये उम्र की लड़कों को बरगला कर आतंकी संगठनों से जोड़ने और वहां तक पहुंचाने की बात का खुलासा हुआ था। उस समय संभल के कई नौजवानों के अचानक गायब होने चर्चा थी। कई नौजवानों के दूसरे मुल्कों में रहने का भी खुलासा हुआ था। वहीं मुरादाबाद में संदिग्ध आतंकी पकड़े जा चुके हैं। हिजबुल.मुजाहिदीन के आतंकी उल्फत हुसैन और आईएस, लश्कर-ए-तैयबा का भी बड़ा नेटवर्क का खुलासा हुआ था। मुगलपुरा थाना क्षेत्र में 27 अक्टूबर 2017 को एटीएस और पुलिस की संयुक्त टीम ने गोधरा कांड के आरोपी और लश्कर-ए- तैयबर के सदस्य फरमान को गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया था कि उस छह अगस्त 2017 में दिल्ली की टीम ने पोटा मामले में गिरफ्तार किया था। 2009 में दिल्ली हाई कोर्ट से वह जमानत पर छूट गया था कोर्ट में उसका पासपोर्ट जब्त करने के साथ विदेश जाने पर रोक लगाई थी। सिद्धार्थनगर जनपद के शोहरतगढ़ निवासी फरमान मुरादाबाद आ गया था मुरादाबाद में ड्राइविंग लाइसेंस और राशन कार्ड बनवाकर मुगलपुरा क्षेत्र में किराए पर के मकान में रह रहा था उसने ड्राइविंग लाइसेंस और राशन कार्ड बनवा लिया था। पासपोर्ट और वीजा बनवाया और कुवैत भाग गया था। मूंढापांडे के मिलक गुलड़िया निवासी अहमद रजा उर्फ शाहरुख जयपुर स्थित मदरसे में पढ़ाई करने गया था। दीनी तालीम हासिल करने बादे वह वहीं मदरसे में पढ़ने लगा था इस दौरान हिजबुल मुजाहिदीन के अनंतनाग निवासी आतंकी फिरदौस के संपर्क में आ गया था। 3 अगस्त 2023 को गिरफ्तार हुआ अहमद राजा उर्फ शाहरुख ने अनंतनाग में जाकर हथियार चलाने की ट्रेनिंग मिली। 3 अगस्त को गिरफ्तार होने वाला अहमद उर्फ शाहरुख मूंढापांडे का रहने वाला था।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 ख्वा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

अशोक महान सेवा संघ के महानगर बने अध्यक्ष गोविंद सैनी, 28 मार्च को धूमधाम से मनाई जाएगी सम्राट अशोक जयंती

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । सम्राट अशोक महान के जन्मोत्सव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में अशोक महान सेवा संघ द्वारा गांधी उद्यान में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 28 मार्च 2026, शनिवार को सम्राट अशोक महान का जन्मोत्सव हर वर्ष की भांति इस बार भी धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष कुंवर भूपेंद्र मौर्य ने कहा कि पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी जयंती समारोह भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा। वहीं महामंत्री चंद्रपाल सिंह एडवोकेट ने बताया कि जयंती के अवसर पर सम्राट अशोक महान के जीवन और उनके कार्यों पर एक विशेष गोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा। बैठक की खास बात यह रही कि गोविंद सैनी को सर्वसम्मति से अशोक महान सेवा संघ का महानगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अपने संबोधन में गोविंद सैनी ने कहा कि सम्राट अशोक की शासन व्यवस्था आज भी विश्व के लिए प्रेरणादायक है और उनके आदर्शों को अपनाने की आज के समय में विशेष आवश्यकता है।

बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष गोविंद सैनी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर आर.के. मौर्य, हरपाल मौर्य, मगनपाल मौर्य, महेंद्र पाल मौर्य, दयाशंकर मौर्य, पप्पू मौर्य, मनोज मौर्य, प्रेम प्रकाश मौर्य सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अवैध रुप से पशुओं व शराब का परिवहन करने पर 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर एक पिकअप गाड़ी, 67 लीटर हाथ भट्टी की शराब एवं 16 भैंसों को जप्त किया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को अवैध हथियार, अवैध शराब, अवैध मादक पदार्थो, जुआ एवं सट्टा के विरूद्ध अधिक से अधिक कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया है, जिसके पालन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री संजीव मुले एवं नगर पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री संजय चतुर्वेदी के मार्ग निर्देशन में कोतवाली टीआई कृपाल सिंह राठौड़ व्दारा टीम गठित की गयी जो दिनांक 18.03.26 को सूचना मिली कि ग्वालियर तरफ से एक पिकअप गाडी क्रमांक एमपी07-एजी-9065 कठमई तिराहे से निकलने वाली है जिसमें ठूस ठूस कर मवेशी भैंसें भरी हुयी हैं एवं अवैध शराब भी गाडी में रखी हुयी है। उक्त सूचना पर तुरंत कार्यवाही करते हुये फोर्स को कठमई तिराहे पर रवाना किया जो फोर्स व्दारा गाडी आने की इंतजार किया बाद उक्त नम्बर की गाडी ग्वालियर तरफ से आती दिखी जिसे फोर्स व्दारा रोककर चैक किया तो उसमें 11 भैंसें व 5 पडिया ठूस ठूस कर भरी हुयी थी गाडी को चैक करने पर उसमें चार प्लास्टिक की कट्टी रखी हुयी पाई गयीं जिनको चैक करने पर हाथ भट्टी की कच्ची शराब करीबन 67 लीटर मिली जिसकी कीमत करीबन 6700रु. है को मौके पर पिकअप गाडी क्रमांक एमपी 07-एजी-9065 कीमती 10 लाख रुपये एवं शराब जप्त की एवं आरोपीगण नीसिर खांन पुत्र बन्ने खांन नि0 कुम्हार मोहल्ला पुरानी शिवपुरी, वकील पुत्र रफीक कुरैशी नि0 देहात के पीछे, आसिफ खांन पुत्र आजाद खांन नि0 तलैया मोहल्ला को गिरफ्तार किया गया है जप्तशुदा भैंसो व पडियों को गोशाला में सुरक्षित रखा गया आरोपीगणो के विरुध्द अप.क्र. 192/26 धारा 34(2) आवकारी एक्ट 11(2) पशु क्रूरता अधिनियम एवं 66, 192 मोटर अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया कोतवाली पुलिस व्दारा इस प्रकार की कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी। सराहनीय भूमिका:. उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी थाना कोतवाली निरीक्षक कृपाल सिंह राठौड, उनि) आदित्य प्रताप राजावत, उनि0 सुमित शर्मा, प्र.आर. 890 अवतार सिंह, प्र.आर. 342 मोहन चौहान, आर. 495 रिकेश धाकड, आर0 655 दीपक राठौर, की विशेष भूमिका रही।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

मौत की रफ्तार: मेले जा रहे श्रद्धालुओं पर कहर, 2 की मौत, कई गंभीर

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार /बीसलपुर (पीलीभीत)। बीसलपुर-दियोरिया कलां मार्ग पर बुधवार को एक भीषण सड़क हादसे ने खुशियों भरे सफर को मातम में बदल दिया। बिसंगापुर चौराहे के पास तेज़ रफ्तार इनोवा कार ने श्रद्धालुओं से भरे ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक किशोर समेत दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिलसंडा थाना क्षेत्र के ग्राम बबूरा निवासी ग्रामीण ई-रिक्शा से इलाहावास देवल मेले में दर्शन के लिए जा रहे थे। जैसे ही वाहन वीरसिंहपुर गांव के पास पहुंचा, सामने से आ रही तेज़ रफ्तार कार अनियंत्रित होकर ई-रिक्शा से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सवार लोग सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे में 14 वर्षीय राहुल और 60 वर्षीय जशोदा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं मुनेंद्र (26), अमन (12), अन्नपूर्णा (40), राजेश्वरी (30), सुधा (10), शोभा (4) और काजल (15) सहित कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एम्बुलेंस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बीसलपुर में भर्ती कराया गया। सीएचसी अधीक्षक के अनुसार, सभी घायलों का उपचार जारी है, जबकि दो की हालत नाजुक होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है। प्रभारी निरीक्षक संजीव शुक्ला ने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर सख्त ट्रैफिक नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है। यह हादसा एक बार फिर तेज़ रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के गंभीर परिणामों की चेतावनी दे रहा है।

विकास भवन में किसान दिवस संपन्न, किसानों की समस्याओं पर हुआ मंथन

बिजली, पानी, खरीद केंद्र और रबी फसल को लेकर किसानों ने उठाई आवाज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । विकास भवन सभागार में उप कृषि निदेशक की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के प्रगतिशील किसानों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में पिछली बैठकों में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की गई।

किसान दिवस में किसानों ने अपनी प्रमुख समस्याएं सामने रखीं। भारतीय किसान यूनियन के प्रताप सिंह ने रबी फसल कटाई, खरीद केंद्रों की तैयारी, बिजली आपूर्ति और रसोई गैस व्यवस्था को लेकर मांग रखी। वहीं महेंद्र पाल गंगवार ने बिजली समस्या, गांव में सीसीटीवी कैमरे और खराब स्ट्रीट लाइट ठीक कराने की मांग की। यामीन मलिक ने गांव में खराब पड़े इंडिया मार्का हैंडपंप और पानी आपूर्ति की समस्या उठाई। इस दौरान उद्यान विभाग द्वारा किसानों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने बताया कि गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है और जनपद में 107 स्थायी व 13 मोबाइल खरीद केंद्र संचालित किए जाएंगे। कार्यक्रम के अंत में जिला कृषि अधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किसान दिवस के समापन की घोषणा की गई।

चैत्र नवरात्र आज से इस बार गज पर सवार होकर आएंगी माता रानी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। गुरुवार से शुरू हो रहे नवरात्र सभी के लिए बेहद शुभ हैं, क्योंकि माता रानी का आगमन इस बार गज (हाथी) पर होगा। जोकि माता लक्ष्मी की विशेष कृपा और सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। गुरुवार का दिन होने से देवी पूजा के साथ-साथ भगवान विष्णु की भी पूजा का फल मिलता है और इस साल दो गुरुवार पड़ने से पूजा का विशेष फल मिलेगा। माता का वाहन (गज)ः गुरुवार को नवरात्र शुरू होने पर माता दुर्गा हाथी (गज) पर सवार होकर आती हैं, जो ज्ञान, समृद्धि और अच्छी बारिश का संकेत है। विशेष संयोगः इस बार चैत्र नवरात्रि 19 से 27 मार्च तक है। विद्वान पंडित धुर्व कुमार निर्भीक का कहना कि गुरुवार का दिन भगवान विष्णु का है, इसलिए दुर्गा पूजा के साथ गुरुवार का व्रत करने से भगवान विष्णु और लक्ष्मी मां की भी कृपा मिलती है। उन्होंने यह भी बताया कि शुभ संकेतः हाथी को सफलता, धन और समृद्धि से जोड़ा जाता है। इसलिए, गुरुवार से शुरू होने वाले नवरात्र को बहुत भाग्यशाली माना जाता है। सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित करें। घटस्थापना (कलश स्थापना) कर मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा शुरू करें। दुर्गा सप्तशती का पाठ और हवन करें। इस दौरान पवित्रता का विशेष ध्यान रखें। गुरुवार विष्णु जी का दिन है और नवरात्र देवी का। ऐसे में विष्णु-शक्ति की पूजा से ज्ञान, धर्म, और मोक्ष की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा का आगमनः माता रानी इस बार हाथी पर सवार होकर आ रही हैं, जिसे अच्छी बारिश और ज्ञान-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। व्रत और नियमः लोग 9 दिनों तक व्रत, कलश स्थापना, दुर्गा सप्तशती पाठ और कन्या पूजन करते हैं। पहले दिन घर में हल्दी युक्त जल से शुद्धि करके कलश स्थापित की जाती है। क्या करें और क्या न करें? करेंः सुबह जल्दी उठकर स्नान करें, पीले वस्त्र पहनें (गुरुवार के कारण), और कलश स्थापित करें। न करेंः इन दिनों में नकारात्मक सोच से बचें और सात्विक भोजन करें। संक्षेप में, यह गुरुवार से शुरू हो रहे नवरात्र आध्यात्मिक शुद्धि, समृद्धि और सकारात्मकता लाने वाला एक बड़ा पर्व है।

श्री त्रिवटी नाथ मंदिर में आज श्रद्धालु पहली बार कर सकेंगे भवानी मां की आराधना

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नाथ नगरी में माता के नवरात्र धूम दिखने लगी है। गुरुवार से शहर के देवी मंदिरों में आस्था का सैलाब जुटेगा और भक्त नौ दिन तक मां के अलग-अलग स्वरूपों की आराधना करेंगे। लिहाजा बुधवार को देवी मंदिरों में तैयारियां की जाती रहीं। खास बात ये कि इस बार त्रिवटीनाथ मंदिर में इस बार देवी की आराधना के लिए भवानी मां मंदिर की स्थाना की गई है। त्रिवटीनाथ मंदिर के मीडिया प्रभारी संजीव औतार अग्रवाल ने बताया कि त्रिवटीनाथ मंदिर वर्षों से शहर की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। इस बार भवानी मां के नए मंदिर की स्थापना श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और विशेष पूजा-अर्चना को ध्यान में रखते हुए की गई है। उन्होंने ये भी बताया कि मंदिर में जयपुरी नक्काशी की गई है। जिसके परिसर की दीवारें अयोध्या के भव्य श्री राम मंदिर की तर्ज पर सजाई गई हैं। उन्होनें बताया कि नवरात्र के नौ दिनों तक यहां विशेष अनुष्ठान, दुर्गा सप्तशती पाठ और भव्य आरती का आयोजन किया जाएगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

डिलारी थाना के SPEL प्रोग्राम में छात्र-छात्राओं ने किया पुलिस विभाग का भ्रमण, कार्यप्रणाली से हुए रूबरू

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी : जनपद मुरादाबाद के थाना डिलारी में चल रहे स्टूडेंट पुलिस एक्सपीरिंशियल लर्निंग प्रोग्राम के अंतर्गत आज दिनांक 18 मार्च 2026 को छात्र-छात्राओं के लिए एक शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं को जनपद स्तर के विभिन्न महत्वपूर्ण पुलिस कार्यालयों का भ्रमण कराया गया।इस दौरान विद्यार्थियों ने पुलिस अधीक्षक यातायात कार्यालय, क्षेत्राधिकारी कार्यालय, साइबर सेल, ष्ट ष्ट क्र क्ष, चालान सेल तथा क्ब-112 कंट्रोल रूम का दौरा किया। संबंधित कार्यालयों में तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा छात्र-छात्राओं को इन विभागों के कार्यों, जिम्मेदारियों और कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं ने पुलिस व्यवस्था को करीब से समझा और कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की भूमिका के बारे में जागरूकता प्राप्त की। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचाव, यातायात नियमों के पालन और आपातकालीन सेवाओं के सही उपयोग के बारे में भी जागरूक किया।इस पहल का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाना और उन्हें कानून एवं सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्रदान करना है, ताकि वे एक जागरूक नागरिक बन सकें।

प्रियदर्शिनी राजे सिंधिया ने स्वास्थ्य शिविर में HPV वैक्सीन शिविर का किया उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया की धर्मपत्नी प्रियदर्शिनी राजे सिंधिया ने आज बुधवार को शिवपुरी में आयोजित नि:शुल्क विशाल स्वास्थ्य शिविर का दौरा किया, जहां उन्होंने एचपीवी वैक्सीन सुविधा का शुभारंभ किया। इस दौरान एक भावुक क्षण तब सामने आया, जब एक नन्हीं बच्ची टीका लगवाने से घबरा रही थी। उन्होंने स्नेहपूर्वक उसका हाथ थामकर उसका हौसला बढ़ाया और उसे सहज महसूस कराते हुए टीकाकरण करवाया और बताया कि उनकी बेटी ने भी टीकाकरण कराया है। उन्होंने बच्ची से आत्मीय संवाद करते हुए उसकी सराहना की, जिससे वहां उपस्थित सभी लोग भावुक हो उठे। उल्लेखनीय है कि 17 से 24 मार्च तक चलने वाला यह शिविर में बालिकाओं को नि:शुल्क एचपीवी वैक्सीन दी जा रही है। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र की बेटियों से अधिक से अधिक संख्या में आकर टीकाकरण करवाने और अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने का आह्वान किया।

यूपी सरकार ने डीजीपी चयन के लिए यूपीएससी को भेजा पैनल, तीन दर्जन से अधिक अफसरों के नाम भेजे गए

डीजीपी की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद यूपी सरकार ने भी पैनल भेजने की औपचारिकता पूरी कर दी है। इसके लिए तीन दर्जन से अधिक अधिकारियों के नाम आयोग को भेजे गए हैं।राज्यों में डीजीपी की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा संघ लोक सेवा आयोग को पैनल भेजे जाने को अनिवार्य करने के बाद गृह विभाग ने भी इसकी औपचारिकता की है। प्रदेश सरकार की ओर से मंगलवार को आईपीएस अधिकारियों के नाम का पैनल आयोग को भेज दिया गया। इसमें 30 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके अधिकारियों के नाम शामिल हैं।सूत्रों की मानें तो प्रदेश सरकार ने वर्ष 1990 से 1996 बैच के तीन दर्जन से अधिक अधिकारियों के नाम आयोग को भेजे हैं। हालांकि इनमें से आयोग वरिष्ठता के आधार पर तीन अधिकारियों को चिन्हित कर राज्य सरकार को उनके नाम भेजेगा। तत्पश्चात राज्य सरकार इनमें से किसी एक का चयन डीजीपी के पद के लिए करेगी।

नवरात्रि में मांस बिक्री पर रोक की मांग, ज्ञापन सौंपा

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत - अमरिया (पीलीभीत)। नवरात्रि पर्व के दौरान धार्मिक भावनाओं के सम्मान को लेकर गौ रक्षा हिंदू दल के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को तहसील परिसर अमरिया में प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मांस की दुकानों पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने की मांग उठाते हुए उपजिलाधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में संगठन ने कहा कि नवरात्रि हिंदू समाज का आस्था से जुड़ा प्रमुख पर्व है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग व्रत और पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसे में खुलेआम मांस बिक्री से श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हो सकती हैं, इसलिए नवरात्रि समाप्ति तक क्षेत्र में मांस विक्रय पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। जिला संयोजक सुधांशु पाठक ने कहा कि यह मांग सामाजिक समरसता और धार्मिक मर्यादा बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है। वहीं जिला मंत्री जितेंद्र मौर्य और जिला उपाध्यक्ष मुकेश बाबू ने भी प्रशासन से संवेदनशीलता दिखाते हुए उचित निर्णय लेने की अपील की। इस दौरान गजेंद्र भास्कर, धर्मेंद्र कश्यप, अजय मौर्य, प्रेम शंकर शर्मा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि मांग पर सकारात्मक निर्णय न होने पर संगठन आंदोलन करेगा। प्रशासन ने ज्ञापन प्राप्त कर मामले पर विचार कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

पीएम मोदी से वरुण गांधी की मुलाकात: सियासत में 'नई शुरुआत' के संकेत

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार /पीलीभीत - भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता और पीलीभीत के पूर्व सांसद वरुण गांधी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सपरिवार मुलाकात कर राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है। लंबे समय बाद हुई इस मुलाकात को पार्टी के भीतर रिश्तों में आई दूरियों के कम होने और संभावित 'नई शुरुआत' के रूप में देखा जा रहा है। मुलाकात के बाद वरुण गांधी ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं साझा करते हुए प्रधानमंत्री के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि यह भेंट उनके विश्वास को और मजबूत करती है कि प्रधानमंत्री देशवासियों के सच्चे अभिभावक हैं। उन्होंने पीएम मोदी के व्यक्तित्व को 'पितृवत स्नेह' और 'संरक्षण' देने वाला बताया। पिछले दो वर्षों में वरुण गांधी और पार्टी नेतृत्व के बीच रिश्तों में उतार-चढ़ाव साफ दिखाई दिए थे। खासतौर पर साल 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने किसानों, बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों पर अपनी ही सरकार को कठघरे में खड़ा किया था।

उनके इन तेवरों को पार्टी के भीतर 'बागी रुख' के रूप में देखा गया। इसी का परिणाम रहा कि 2024 के चुनाव में भाजपा ने पीलीभीत सीट से उनका टिकट काटकर जितिन प्रसाद को मैदान में उतारा। टिकट कटने के बाद वरुण गांधी ने जनता के नाम भावुक पत्र लिखते हुए पीलीभीत से अपने रिश्ते को बेटे जैसा बताया था। टिकट कटने के बाद वरुण गांधी सार्वजनिक जीवन और सोशल मीडिया से लगभग दूर हो गए थे। ऐसे में प्रधानमंत्री से उनकी यह मुलाकात 'सन्नाटे के बाद सियासी वापसी' की दस्तक मानी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस मुलाकात के जरिए वरुण गांधी ने साफ संकेत दिया है कि वह पार्टी के साथ तालमेल बिठाने के लिए तैयार हैं और शीर्ष नेतृत्व के साथ उनकी दूरी अब कम हो चुकी है। इस मुलाकात की एक खास बात यह भी रही कि वरुण गांधी अपनी पत्नी और पुत्री के साथ प्रधानमंत्री से मिलने पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी का बच्चों के प्रति स्नेह पहले से ही चर्चा में रहा है, और इस मुलाकात में भी वही आत्मीयता देखने को मिली।

पीलीभीत में गांधी परिवार का दशकों पुराना प्रभाव रहा है। टिकट कटने के बाद यह कयास लगाए जा रहे थे कि वरुण गांधी किसी अन्य दल का रुख कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने संयम बनाए रखा। अब इस गर्मजोशी भरी मुलाकात ने उन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि आने वाले समय में पार्टी वरुण गांधी को कोई नई और अहम जिम्मेदारी सौंप सकती है। फिलहाल, यह मुलाकात सिर्फ एक शिष्टाचार भेंट नहीं, बल्कि भाजपा की अंदरूनी राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत भी मानी जा रही है- जिसके दूरगामी असर पीलीभीत ही नहीं, राष्ट्रीय स्तर पर भी दिख सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

श्रावस्ती के रक्तबीर अश्वनी कुमार वर्मा होंगे प्रदेश सेवा रत्न से अलंकृत.....

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / जनपद श्रावस्ती में रक्तदान एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान एवं स्वयं 28 बार के रक्तदाता अश्विनी कुमार वर्मा को आगामी 22 मार्च 2026 को संकल्प मानव सेवा संस्था (रजि.) द्वारा आगरा में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में प्रदेश सेवा रत्न सम्मान 2026 अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा,राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में जनपद श्रावस्ती के ब्लॉक जमुनहा के ग्राम पंचायत जोगिया निवासी अश्वनी कुमार वर्मा जिलाध्यक्ष निफा का चयन इस अवार्ड के लिए किया गया है, वर्मा जी लगातार रक्त सेवा एवं रक्तदान के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं अब तक 28 बार स्वयं रक्तदान कर चुके हैं, रक्तदान करने के साथ ही अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करते हुए जिले में रक्त क्रांति लाने का संकल्प ले चुके हैं, वर्मा जी को रक्तदान सहित अन्य सामाजिक योगदान हेतु विभिन्न राष्ट्रीय मंचों पर कई बार सम्मानित किया जा चुका है आज वर्मा जी हजारों युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत बन चुके हैं...

सीडीपीओ पर 20 हजार रिश्वत मांगने के आरोपों की जांच टीम ने की पुष्टि

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती- सिरसिया - मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद बताया है कि प्रियंका आर्य पत्नी मंगली प्रसाद द्वारा जिलाधिकारी को इस आशय की शिकायत की गई कि आंगनबाड़ी सहायिका की नियुक्ति में बाल विकास परियोजना अधिकारी सिरसिया द्वारा रूपये 20,000 की धनराशि की मांग की गई तथा इस सम्बन्ध में मोबाइल पर दोनों के मध्य हुई वार्ता की आडियो क्लिप भी प्रस्तुत की गई। शिकायत की गम्भीरता के दृष्टिगत प्रकरण की जांच हेतु मुख्य विकास अधिकारी को प्रार्थना पत्र प्रेषित किया गया था। जिस पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा तत्काल डिप्टी कलेक्टर प्रवीण कुमार यादव, डिप्टी कलेक्टर रवेन्द्र कुमार की संयुक्त टीम गठित करायी गई। जांच टीम द्वारा प्रकरण की गहनता से जांच करने पर शिकायत की पुष्टि एवं मोबाइल पर वार्ता की आडियो क्लिप में मुकेश कुमार, बाल विकास परियोजना अधिकारी सिरसिया द्वारा स्वयं की आवाज होने की पुष्टि की गई। इस प्रकार मुकेश कुमार, सीडीपीओ सिरसिया द्वारा सहायिका की नियुक्ति में उत्कोच लिए जाने की शिकायत पर प्रथम दृष्टता पुष्टि पाये जाने पर सम्बन्धित को निलम्बित कर विभागीय कार्यवाही हेतु निदेशक, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग उ0प्र0 लखनऊ को संस्तुति कर पत्र प्रेषित कर दिया गया है।

जुर्माना भरकर मिली रिहाई: विधिक सेवा प्राधिकरण की पहल से कैदी को मिली आज़ादी

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत - जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीलीभीत की पहल पर एक बंदी को बड़ी राहत मिली है। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में जिला कारागार पीलीभीत का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें बंदियों की समस्याओं को सुना गया और उनके समाधान के प्रयास किए गए। निरीक्षण के दौरान यह मामला सामने आया कि अभियुक्त सनी पुत्र सुनील, निवासी वख्तावर लाल थाना बीसलपुर, जुर्माने की 30,000 रुपये की राशि जमा न कर पाने के कारण जेल में बंद था। इस संबंध में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के माध्यम से प्राप्त पत्र के आधार पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने पहल की। प्राधिकरण के सचिव ने सामाजिक संस्था नि:शक्त जनसेवा संस्थान, पीलीभीत से समन्वय स्थापित कर उक्त जुर्माने की पूरी राशि जमा कराई। इसके बाद आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर अभियुक्त सनी को जिला कारागार से रिहा कर दिया गया। इस मानवीय पहल से न सिर्फ एक व्यक्ति को स्वतंत्रता मिली, बल्कि समाज में विधिक सहायता की उपयोगिता का भी सकारात्मक संदेश गया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

देखो... अजय का रसूख टूट रहा है, सफेदपोश आका भी न बचा सके बुलडोजर के पंजे से, 40 और दुकानों टूटेंगी!

बदायूं के मूसाझाग क्षेत्र के गांव सैजनी स्थित एचपीसीएल प्लांट के दो अफसरों की हत्याकांड के आरोपी अजय प्रताप सिंह और उसके ताऊ की 11 दुकानों को जिला प्रशासन ने मंगलवार को ध्वस्त कर दिया। चार घंटे तक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई चली। बदायूं के एचपीसीएल के दो अफसरों की प्लांट में निर्ममता से हत्या के बाद सैजनी में हुई बुलडोजर की कार्रवाई से शासन ने खुराफातियों को स्पष्ट संदेश देने की कोशिश की है। हालांकि दबंग अजय का काली कमाई से बना किला तब ढह सका जब दो अफसरों की जान चली गई। मंगलवार को दो बुलडोजरों ने अजय प्रताप सिंह और उसके ताऊ राकेश सिंह की अवैध मार्केट को रौंद डाला। इस कार्रवाई को देखने के लिए इलाके के हर उम्र के लोग यहां भीड़ लगाए रहे। इनमें से अधिकांश लोग अजय और उसके परिवार की दबंगई से अच्छी तरह वाकिफ थे। राजनीतिक व रसूखदार लोगों से लोगों ने की टीम से बातचीत में यह स्वीकार किया अजय के अवैध साम्राज्य पर इस तरह की कार्रवाई बैठता था और बड़ी बातें करता था। पुलिसवालों से दोस्ती थी। इलाके में कार्रवाई पुलिस अक्सर अजय मार्केट टूटना बड़ी बात है। लोगों का यह भी कहना उम्रदराज लोगों का कहना था कि अजय के खिलाफ रहे थे। अगर यह कार्रवाई तब हुई होती तो शायद वहीं उन्हें अब भी यह भय है कि कहीं अजय जेल इसलिए कोई भी खुलकर सामने नहीं आ रहा है।जेल अजय प्रताप सिंह की हालत सामान्य है। लेकिन उसे

अजय की नजदीकी का भी लोगों को पता था।कई कि उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि भी हो सकती है। वह बड़े लोगों के साथ उठता-लेकर तहसील के स्टाफ तक से उसकी अच्छी से सलाह लेकर ही किया करती थी। ऐसे में उसका था कि देखो...अजय का रसूख टूट रहा है।कुछ कंपनी के अधिकारी काफी पहले से शिकायत कर दोनों अफसरों को अपनी जान न गंवानी पड़ती। से छूटकर या उसके गुर्गे दोबारा दहशत न फैला दें। अस्पताल में भर्ती दो अफसरों की हत्या का आरोपी घटना के बाद से क्षेत्र की गतिविधि जानने की लालसा दिख रही है। वह कभी अखबार मांग रहा है तो कभी टीबी चलवाने की गुहार जेल प्रशासन से लगा रहा है। बताया है कि उसके दोनों पैरों पर प्लास्टर लगा हुआ है। दोनों समय वह खाना भी खा रहा है।12 मार्च को अपराह्न करीब दो बजे फिल्मी अंदाज में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट के उप महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता व सहायक मुख्य प्रबंधक हर्षित मिश्रा को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद वह गाड़ी से मूसाझाग थाने पहुंचा और आत्म समर्पण कर दिया था।पुलिस ने एक तमंचा उसके पास से बरामद कर लिया था। लेकिन उसने दो तमंचे ले जाने की बात कबूल की तो पुलिस उसको तमंचा बरामद कराने को ले गई। तमंचा बरामद करते समय आरोपी ने तमंचे से ही पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जबावी फायरिंग में उसके दोनों पैरों में गोली लगी। उसको पुलिस ने 12 मार्च की शाम को ही कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया था।आरोपी को जेल प्रशासन ने जेल अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू किया है। बताया गया है कि उसके दोनों पैरों पर प्लास्टर लगा हुआ है। जेल में वह घटना के बाद से क्षेत्र की गतिविधियां जानने को आतुर है। कभी वह अखबार पढ़ने को मांग रहा है, तो कभी टीबी चलाने की जेल प्रशासन से गुहार लगा रहा है। जेर रणजंय सिंह बताया कि आरोपी के दोनों पैरों में प्लास्टर चढ़ा है और वह जेल अस्पताल में भर्ती है।सीएम कार्यालय से भी हो रही निगरानी, पीएमओ की भी नजर-एचपीसीएल प्लांट के दो अफसरों की हत्या के मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय नई दिल्ली की भी नजर है। केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी से भी इस मामले को लेकर मुलाकात की है। जितिन प्रसाद ने अपने सोशल मीडिया के एक्स पर इसकी पोस्ट की है।सूत्र बताते है कि पीएमओ की इस घटना पर नजर है। हालांकि अधिकारिक तौर पर इसे नहीं बताया जा रहा है। वहीं सीएम कार्यालय से भी पूरे मामले में हो रही कार्रवाई की लगातार निगरानी की जा रही है।बदायूं हत्याकांड के आरोपी के रसूख पर चला बुलडोजर- हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट में कंपनी के दो अफसरों की हत्या के मामले में प्रशासनिक कार्रवाई ने मंगलवार को रफ्तार पकड़ ली। हत्यारोपी अजय प्रताप सिंह और उसके ताऊ के सैजनी गांव में बने अवैध मार्केट को बुलडोजरों ने ध्वस्त कर दिया। पंचायत घर की मूल जगह पर इस परिवार की ओर से दबंगई दिखाते हुए मनमुताबिक बनवाई गई बिल्डिंग भी ढहा दी गई।अवैध निर्माण हटाने के लिए नोटिस के बाद मंगलवार को टीम आरोपी अजय और उसके परिवार की अवैध रूप से बनाए हुए मार्केट के ध्वस्तीकरण के लिए पहुंच गई। मूसाझाग, दातागंज, हजरतपुर व आसपास के थानों की पुलिस के साथ दातागंज के एसडीएम और सीओ ने सुबह ही वहां डेरा डाल दिया। हजरतपुर रोड को पुलिस-प्रशासन की गाड़ियां लगाकर बंद कर दिया गया। सुबह दस बजे से दो बजे तक दो बुलडोजरों ने पहले अजय की छह दुकानों व आवासीय परिसर वाला मार्केट गिराया। फिर उसके ताऊ पूर्व जिला पंचायत सदस्य राकेश प्रताप सिंह के मार्केट की पांच दुकानें गिरा दीं।अवैध निर्माण ध्वस्त कर पंचायत घर की जगह ली कब्जे में सैजनी चौराहे के दूसरे छोर पर पंचायत घर की मूल जमीन पर अजय का परिवार मनमुताबिक निर्माण कराकर भवन का निजी इस्तेमाल कर रहा था। परिवार से ही ग्राम प्रधान होने का लाभ उठाकर पंचायत घर दूसरी जगह बनवा दिया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, नक्शे से मिलान कर यह जगह खाली कराई गई।बंजर सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनाया था मार्केट- सैजनी चौराहा से हजरतपुर को जाने वाली रोड पर अजय और उसके ताऊ ने अपने मार्केट बनवाए थे। पीडब्ल्यूडी की इस रोड के किनारे की यह जगह सरकारी अभिलेख में बंजर जमीन के रूप में दर्ज है। अजय और ताऊ राकेश सिंह ने दुकानें किराये पर दे रखी थीं। भतीजे के साथ आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहने वाले ताऊ राकेश सिंह को भी अब हत्याकांड का खामियाजा भुगतना पड़ा। एसडीएम धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि नोटिस का कोई जवाब न देने पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।40 और दुकानें ढहाई जा सकती हैं जल्द- अजय के साथ ही उसके परिवार के अन्य लोगों ने भी यहां रोड किनारे की महंगी जमीनों पर कब्जा कर दुकानें बनवा रखी थी। इसकी आड़ में अन्य बिरादरी के कुछ अन्य रसूखदार लोगों ने भी सैजनी चौराहे के पास अपनी-अपनी दुकानें बनवा ली थीं। अब इन लोगों की करीब 40 दुकानें इसी तरह बंजर जमीन पर बनाने की पुष्टि हुई है। एसडीएम ने बताया कि इन सभी को नोटिस दिया जा रहा है। संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो इन दुकानों को भी ध्वस्त किया जाएगा।

यूपी में भाजपा नेता का कत्ल: गोली मारी, फिर चाकू से गोद डाला, हमलावरों ने दम निकलने तक किया इंतजार; पूरी कहानी

यूपी के गोरखपुर में मॉर्निंग वॉक पर निकले प्रॉपर्टी डीलर की हत्या का मामला सामने आया है। विरोध में गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर दी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया है।गोरखपुर के चिलुआताल थाना क्षेत्र के बरगदवा में मंगलवार को मॉर्निंग वॉक पर निकले प्रॉपर्टी डीलर और पार्षद प्रत्याशी रहे राजकुमार चौहान (55) की हत्या कर दी गई। हमलावरों ने पहले गोली मारी फिर चाकुओं से गोदकर प्रॉपर्टी डीलर को मार डाला। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके पर ही रुके रहे और तब तक नहीं गए जब तक प्रॉपर्टी डीलर की मौत नहीं हो गई। वारदात से आक्रोशित ग्रामीणों ने गोरखपुर-सोनौली मार्ग जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर जाम खुलवाया। प्रॉपर्टी डीलर की पत्नी सुशीला देवी की तहरीर पर पुलिस ने आठ नामजद समेत 11 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।देर रात पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से दो हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जबकि नामजद सात आरोपियों को हिरासत में लेकर उनकी भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पत्नी के अनुसार, पुरानी दुश्मनी के चलते हत्या की गई है। पुलिस प्रॉपर्टी विवाद और व्यक्तिगत रंजिश सहित अन्य पहलुओं पर जांच कर रही है।जानकारी के मुताबिक, घटना सुबह करीब

5-30 बजे की है। परिजनों के अनुसार, राजकुमार चौहान प्रॉपर्टी डीलर के साथ स्थानीय राजनीति में भी सक्रिय थे। वह 2027 में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। परिवार में पत्नी सुशीला के अलावा तीन बच्चे सोनम, प्रियंका, युवराज और बुजुर्ग पिता जंगीलाल हैं।पिता जंगीलाल ने बताया कि राजकुमार रोजाना की तरह सुबह पांच बजे घर से टहलने निकले थे। करीब आधे घंटे बाद उनकी हत्या की खबर मिली। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, चार हमलावर पैदल पहुंचे और पीछे से घेरकर पहले गोली चलाई फिर सिर, सीने और चेहरे पर चाकू से 12-13 बार वार किए। हमले के दौरान वह जान बचाकर भागे लेकिन हमलावरों ने उन्हें दौड़ाकर करीब 100 मीटर दूर पकड़ लिया और दोबारा हमला कर दिया। इसके बाद हमलावर भाग गए।सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस उन्हें बीआरडी मेडिकल कॉलेज ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

घटनास्थल पर खून के निशान और उनके जूते बरामद हुए हैं। पुलिस को आशंका है कि हमलावर वाहन कुछ दूरी पर खड़ा कर पैदल पहुंचे थे।वारदात के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। 500 से अधिक ग्रामीणों ने गोरखपुर-सोनौली मार्ग जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना पर 10 थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। समझाने के बावजूद भीड़ नहीं मानी तो पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर जाम खुलवाया।देर रात पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान गांव के ही रहने वाले डंपर चालक राज चौहान और विपिन यादव के रूप में हुई है। विपिन पर पूर्व में भी दो आपराधिक मामले दर्ज हैंपूछताछ में राज चौहान ने बताया कि एक सप्ताह पहले राज चौहान और उसके भाई निवेश का व मृतक के भतीजे नीरज चौहान बीच आपस में कहासुनी हो गयी थी, तो उसे लगा कि नीरज चौहान अपने चाचा राजकुमार चौहान के बल पर गाली गलौज दे रहा हैं, इसके चलते उसने अपने विपिन यादव से साथ मिलकर राजकुमार की हत्या कर दी। इसके बाद वह नीरज चौहान की हत्या करने वाला था। इसबीच पुलिस ने उसे दबोच लिया। वारदात को अंजाम देने के लिए वह चार माह से रेकी कर रहे थे।नामजद आरोपियों में पार्षद भी शामिल- नामजद आरोपियों में वार्ड नंबर 14 डॉ. राजेंद्र प्रसाद नगर के पार्षद धर्मदेव चौहान, दीपक गौड़, लालजी यादव उर्फ गद्दू, धर्मपाल चौहान, अमर सिंह चौधरी, मोनू पांडेय, सत्येंद्र चौधरी उर्फ टिल्लू, अभय पांडेय व तीन अन्य शामिल हैं। बोले एसएसपी- इस संबंध में एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। सीसीटीवी कैमरे की मदद से हत्या में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं सात नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर उनकी भूमिका की जा रही है। पुलिस की आठ टीमें हर बिंदु पर जांच कर रही हैं। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में पुरानी रंजिश में हत्या की वारदात कबूल की है।पुरानी रंजिश और राजनीतिक टकराव के एंगल पर भी जांच- राजकुमार चौहान की हत्या की जांच में पुलिस हर पहलू को देख रही है। पुलिस सिर्फ हालिया घटनाओं तक सीमित नहीं रह रही, बल्कि उनके पुराने विवाद और राजनीतिक रंजिशों की जानकारी भी खंगाल रही है।ग्रामीणों के अनुसार, वर्ष 2023 में राजकुमार चौहान के करीबी का गांव के दीपक गौड़ के साथ गंभीर विवाद हुआ था। उस समय गोली चलने की घटना हुई थी, जिसमें राजकुमार का नाम भी संदेह के घेरे में आया था। पुलिस अब उस मामले के सच का पता लगाने में जुटी है। इसके अलावा पार्षद के चुनाव के दौरान भी राजकुमार चौहान का वर्तमान पार्षद धर्मदेव चौहान के साथ टकराव हुआ था।यह विवाद इतना बढ़ गया कि राजकुमार को जेल जाना पड़ा। पुलिस इस राजनीतिक रंजिश के एंगल को भी गंभीरता से जांच में शामिल कर रही है। राजकुमार चौहान स्थानीय राजनीति में सक्रिय और प्रभावशाली चेहरा थे। वह पूर्व पार्षद प्रतिनिधि रह चुके थे और क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ थी। बताया जा रहा है कि वह 2027 में विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रहे थे। उनका राजनीतिक नेटवर्क बड़े नेताओं तक फैला हुआ था, जिसमें कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान और राज्यसभा सांसद राधा मोहन अग्रवाल के साथ नजदीकियां शामिल थीं।पत्नी बोली- तरक्की देख गांव में ही बन गए कई दुश्मन- पूर्व पार्षद प्रतिनिधि राजकुमार चौहान की हत्या के बाद उनकी पत्नी सुशीला चौहान का रो-रोकर बुरा हाल है। वह सड़क पर बैठी रो रही थीं। वह कई बार बेसुध भी हुईं। परिवार की महिलाएं उन्हें संभालने में जुटी थीं। सुशीला ने बताया कि राजकुमार को आगे बढ़ता देखकर गांव के ही कुछ लोग जलते थे। इसी जलन में उन्होंने उनकी हत्या की है। गांव में ही उनके दुश्मन थे। सुशीला ने कहा कि हमारे छोटे-छोटे तीन बच्चे हैं, हम अब कैसे रहेंगे।पिता बोले- मरने से पहले बेटे ने दीपक का लिया था नाम- पिता जंगीलाल का कहना था कि राजकुमार ने दो बार चिल्लाकर दीपक का नाम लिया है। उन्होंने गांव के एक व्यक्ति द्वारा झूठे मामले में जेल भेजने की बात भी कही। उन्होंने राजनीतिक द्वेष में हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हत्यारों ने उनका सबकुछ छीन लिया। अक्सर राजकुमार जब मॉर्निंग वाक पर जाते थे तो उनके साथ कुछ और लोग होते थे लेकिन आज वह अकेले गए थे।पोस्टमार्टम के बाद नारेबाजी- शव का पोस्टमार्टम होने के बाद समर्थक एंबुलेंस के आगे चलते हुए मेडिकल कॉलेज गेट पर रोककर नारेबाजी कर रहे थे। चरगांवा, खजांची के पास भीड़ ने रूककर प्रदर्शन किया और फिर स्पोर्ट्स कॉलेज होते हुए बरगदवा पहुंचे।पुलिस की मौजूदगी में दाह संस्कार- रात करीब 8-45 बजे रोहिणी नदी के किनारे पुलिस की मौजूदगी में दाह संस्कार किया गया। बेटे युवराज ने मुखाग्नि दी। इस दौरान राजनेताओं और सैकड़ों ग्रामीणों की उपस्थिति रही

बदायूं डबल मर्डर: विकास दुबे जैसी मौत दो या मुझे भी मार दो, डिप्टी मैनेजर के मामा ने सीएम योगी से की ये मांग

बदायूं में हुए डबल मर्डर के मामले में पीड़ित परिवार का गुस्सा फूट पड़ा। एसएसपी से मिलाने के बहाने पुलिस परिवार को एक घंटे कार से घुमाती रही। इस परिवार को गुस्सा फूट गया। डीएम कंपाउंड चौराहे के पास विरोध कर विधायक के खिलाफ की नारेबाजी की गई।पीलीभीत के पूरनपुर से पुलिस के साथ यहां बदायूं में एसएसपी से मिलने आए हर्षित मिश्रा के परिवार ने शहर में डीएम कंपाउंड चौराहे के पास जमकर विरोध किया। हर्षित के मामा विकास मिश्रा ने एक विधायक का नाम लेकर स्थानीय अधिकारियों पर बिरादरीवाद के तहत काम करने का आरोप लगाया।

कहा कि उन्हें किसी अधिकारी पर भरोसा नहीं है। योगी जी, आरोपी अजय को भी वैसी ही मौत दें, जैसी विकास दुबे को दी। अन्यथा वह आत्मदाह कर लेंगे या उन्हें भी मार दें। डीएम और एसएसपी से बात के दौरान सीबीआई जांच की मांग पर अड़े परिजनों को आश्वासन मिला तो वे लौट गए।हर्षित मिश्रा के पिता सुशील मिश्रा, मां रानी मिश्रा, पत्नी सुमति मिश्रा व मामा विकास मिश्रा समेत परिवार के करीब 15 लोग बदायूं एसएसपी से मिलने मंगलवार सुबह पूरनपुर स्थित अपने घर से कारों में

रवाना हुए। पीलीभीत पुलिस की गाड़ी शुरू से उनके साथ चली।

परिजनों ने दोपहर बाद बदायूं आकर डीएम कंपाउंड चौराहे के पास हंगामा शुरू कर दिया। अचानक वह विधायक व प्रधान के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इस दौरान काफी भीड़ जमा हो गई। तब विकास मिश्रा ने आरोप लगाया कि पहले पुलिस बरेली के एक थाने में ले जाने की बात कहकर घुमाती रही। बाद में उन्हें बदायूं लेकर चली।बदायूं आने के बाद एसएसपी कार्यालय न लाकर उनको एक घंटे तक घुमाते रहे। सीधे एसएसपी के पास नहीं ले गए। इससे वह नाराज हो गए। हंगामा होने की सूचना पर स्थानीय पुलिस भी पहुंच गई। इसके बाद परिवार को तत्काल एसएसपी कार्यालय लाया गया।

तत्काल ही वहां डीएम-एसएसपी समेत अन्य अधिकारी पहुंच गए और परिवार से मुलाकात की।करीब दो घंटे तक अधिकारियों ने परिवार से बात की। परिवार की सीबीआई वाली मांग पर डीएम ने कहा कि इस पर शासन स्तर से ही निर्णय हो सकता है। वह उनकी मांग को आगे बढ़ाने का काम कर सकते हैं। उनको आश्वासन दिया कि पूरा प्रशासन पीड़ित परिवारों के साथ है।एसएसपी ने भी परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। शाम चार बजे के बाद परिवार के लोग अपनी कार व पुलिस के साथ पीलीभीत रवाना हो गए। करीब दो घंटे तक अधिकारियों ने परिवार से बात की। परिवार की सीबीआई वाली मांग पर डीएम ने कहा कि इस पर शासन स्तर से ही निर्णय हो सकता है।वह उनकी मांग को आगे बढ़ाने का काम कर सकते हैं।

उनको आश्वासन दिया कि पूरा प्रशासन पीड़ित परिवारों के साथ है। एसएसपी ने भी परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। शाम चार बजे के बाद परिवार के लोग अपनी कार व पुलिस के साथ पीलीभीत रवाना हो गए।सुनियोजित कांड बताकर विधायक के भाई का लिया नाम- सुशील मिश्रा ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हर्षित व सुधीर गुप्ता की हत्या जिस तरह से की गई है, ये केवल अजय प्रताप सिंह के बस का काम नहीं, बल्कि यह एक सुनियोजित तरीके से रचा हुआ कांड है।

इसमें अजय के भाई व अन्य परिजन प्रत्यक्ष तौर पर शामिल हैं, जिनमें से कई उस वक्त प्लांट में विभिन्न पदों पर ड्यूटी कर रहे थे। आरोप लगाया कि एक विधायक के भाई व प्रधान की शह पर घटना को अंजाम दिया गया। इस कंपनी के तीन बड़े अधिकारी भी घटना में लिप्त हैं, जिनमें से कुछ घटना के समय मौजूद थे। परिवार के लोगों ने मांग की कि जो भी चिह्नित आरोपी हैं, उनके नाम केस में शामिल कर विवेचना की जाए। परिजन बोले- एसएसपी मिलना नहीं चाहती थीं तो बुलाया क्यों- हर्षित के परिवार को अपराह्न करीब दो बजे तक शहर में घुमाने के बाद पुलिस उन्हें उस वक्त एसएसपी दफ्तर लेकर पहुंची जब वह आवास पर निकल चुकी थीं। दफ्तर में जब एसएसपी के न होने का पता लगा तो हर्षित के मामा विकास मिश्रा का सब्र जवाब दे गया। उन्होंने पुलिसकर्मियों से सवाल किया कि जब एसएसपी ने उन्हें मिलने बुलाया है तो आप लोग बाधा क्यों खड़ी कर रहे हैं। या फिर साफ बताइए कि एसएसपी हमसे मिलना नहीं चाहतीं। तब पुलिस उनको एसएसपी के आवास पर ले जाने की बात करने लगी। परिवार के लोगों ने आवास पर ले जाते वक्त डीएम चौराहे पर हंगामा कर दियापुलिस-प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाने शुरू कर दिए। हंगामा होता देख पीलीभीत पुलिस के हाथ-पैर फूल गए। तब बदायूं पुलिस की मदद ली गई। कार में बैठाकर पुलिस उनको पांच मिनट में ही एसएसपी कार्यालय लौटा लाई। फिर यहीं एसएसपी व डीएम भी पहुंच गए।

संक्षिप्त समाचार

तीन मंजिला आवास में देर शाम एक जोरदार हुआ धमाका

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप/ जनपद प्रदेश उत्तर प्रदेश- फर्रुखाबाद। जनपद के मोहल्ला मछरटा में उस समय

हड़कंप मच गया, जब समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक विजय सिंह के तीन मंजिला आवास में मंगलवार देर शाम एक जोरदार धमाका हुआ। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि न केवल पूरी इमारत हिल गई, बल्कि घर के एक हिस्से की छत (लेंटर) भी ढह गई। घटना में पूर्व विधायक के दो पुत्रों समेत कुल छह लोग घायल हुए हैं। धमाके से दहल उठा इलाका- प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धमाका इतना जबरदस्त था कि घर की खिड़कियों के कांच टूटकर सड़क पर जा गिरे और घर के अंदर बनी सीमेंटेड अलमारियां तक ध्वस्त हो गईं। विस्फोट के बाद मलबे के ढेर और चारों ओर फैली कांच की किरचियों के बीच चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुँची। घायलों की स्थिति हादसे में घायल होने वालों की पहचान निम्नलिखित रूप में हुई है- अविनाश उर्फ विक्की (पूर्व विधायक के बड़े बेटे) अभिषेक उर्फ सिक्की (पूर्व विधायक के छोटे बेटे) ईशु चौरसिया (स्थानीय निवासी) भैया लाल चौहान (नूरपुर निवासी) - हालत गंभीर, रेफर किया गया रामवीर यादव (रेलवे रोड निवासी) राशु पूर्व विधायक के दोनों बेटों और दो अन्य घायलों का उपचार निजी नर्सिंग होम में चल रहा है, जबकि एक घायल को लोहिया अस्पताल भेजा गया है। गंभीर रूप से घायल भैया लाल को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। प्रशासनिक मुस्तैदी- घटना की गंभीरता को देखते हुए डीएम आशुतोष कुमार द्विवेदी और एसपी आरती सिंह तुरंत दल-बल के साथ मौके पर पहुँचे और स्थिति का जायजा लिया। हालांकि शुरुआती जानकारी में सिलेंडर फटने की बात सामने आ रही है, लेकिन प्रशासन अभी विस्फोट के सटीक कारणों की जांच कर रहा है

62वीं वाहिनीं एसएसबी भिनगा द्वारा सीमावर्ती गांव में मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमान्डेंट 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के दिशा-निर्देशन में सीमा

चौकी गुज्जरगौरी के कार्यक्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेचुआ में एक मानव चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस

चिकित्सा शिविर का संचालन डॉ. कल्पना महादेव पाटील, सहायक कमान्डेंट (चिकित्सा) एवं उनकी मेडिकल टीम द्वारा किया गया। शिविर के दौरान कुल 71 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें 40 महिलाएं, 30 पुरुष एवं 01 बच्चा शामिल रहे। शिविर में सभी ग्रामीणों को नि:शुल्क चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया गया तथा आवश्यकतानुसार दवाओं का भी नि:शुल्क वितरण किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुलभ एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना तथा उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। ग्रामीणों ने सशस्त्र सीमा बल के इस प्रयास की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया एवं भविष्य में भी ऐसे शिविरों के आयोजन की अपेक्षा जताई।

Has your partner become distant? Try these 3 tricks to understand what's on their mind.

It's common for a period in a relationship when your partner suddenly becomes quiet or distant. Communicate effectively by using "I" instead of "you." Pay attention to changes in your partner's body language and routine. Warm up your relationship by engaging in favorite activities together. When you feel your partner's indifference, many questions arise—"Did I do something wrong?" or "Is he no longer interested in me?" But don't panic! This distance doesn't always mean there's a rift in your relationship. Sometimes, office stress, financial tensions, or personal problems can be the cause. To understand your partner's confusion and bring them closer again, you can try these three easy and effective tricks. Use "I" instead of "you" - When we directly ask, "Why are you avoiding me these days?", the other person often becomes defensive and avoids the conversation. So, change the way you start the conversation. You might say, "I feel like we're not talking like we used to. Are you worried about something? What can I do for you?" This way, they will feel like you're not blaming them, but genuinely caring. This will make it easier for them to express their feelings. Pay attention to their body language and routine. It's not always necessary that the problem is related to the relationship. Sometimes, what a person can't say verbally, their body and routine reveal. So, pay attention to whether there has been any change in their sleeping, waking, or eating patterns. Are they returning from work overtired? If they're irritable or quiet, they may be dealing with some external stress. In such a situation, give them some personal space. Simply let them know that you're there to listen whenever they're ready. Do a favorite activity together - When there's tension between you, it can be very difficult to have a serious conversation face-to-face. People don't feel relaxed. In the meantime, try to lighten the mood. Do something you both enjoyed from the beginning. You could cook together, go on a long drive without any planning, or watch an old movie they liked. When the mind is relaxed and the atmosphere is pleasant, it becomes much easier for people to share their problems and heartfelt feelings. Remember, no "magic trick" in relationships works overnight. The truth is that strong relationships are built with patience. If your partner doesn't want to tell you anything right away, don't pressure them. Your calm and supportive behavior will bring them back to you.

Are you truly ready for marriage? Before saying "yes," ask yourself these 5 questions.

Saying yes to marriage under any kind of pressure is not good for your happy future. Make your own decision, not social pressure. Be prepared for life-sharing and changes. Financial responsibility and open communication are crucial. Marriage is a new chapter in life, bringing with it as many responsibilities as it brings happiness. Often, people rush into marriage due to social pressure or the demands of age, but are you mentally and emotionally prepared for this major change? Before saying yes to marriage, it's crucial to know whether you're truly ready for this responsibility from within or are simply giving in to social pressure. Therefore, you should ask yourself a few questions before agreeing to marriage. Are you making the decision on your own? People often agree to marriage under pressure from family or peer pressure. But before that, it's important to ask yourself whether you truly want to share your entire life with someone, or are you simply trying to escape loneliness or social pressure? Marriage should be based on your personal desire, not external pressure. Are you ready to share your life with someone? - After marriage, the "I" is replaced by "we." Your decisions, your time, and even your financial planning will be influenced by your partner. So, before saying yes, ask yourself if you're ready to change your lifestyle and accommodate the other person's likes and dislikes. If you still want to live life entirely on your own terms and aren't ready to compromise, you should take some more time. Are your expectations based on reality? - We often create a perfect picture of marriage based on movies or social media. But real life also presents challenges, responsibilities, and differences. So, ask yourself if you're ready to accept your partner with all their strengths and flaws. If your expectations are limited to romance, you need to reconsider marriage. Are you financially responsible? - While money isn't everything, financial clarity is crucial for a successful marriage. Ask yourself, are my partner and I prepared to manage future expenses, savings, and debt? An honest discussion about financial matters can eliminate half the conflicts that arise after marriage. Can we talk openly with each other? - This is the most important question. Are you able to discuss every issue openly with your future partner? If you hesitate to express your views or feel that they won't understand, it could be a challenge for the future. A strong relationship survives only when you can express your views openly.

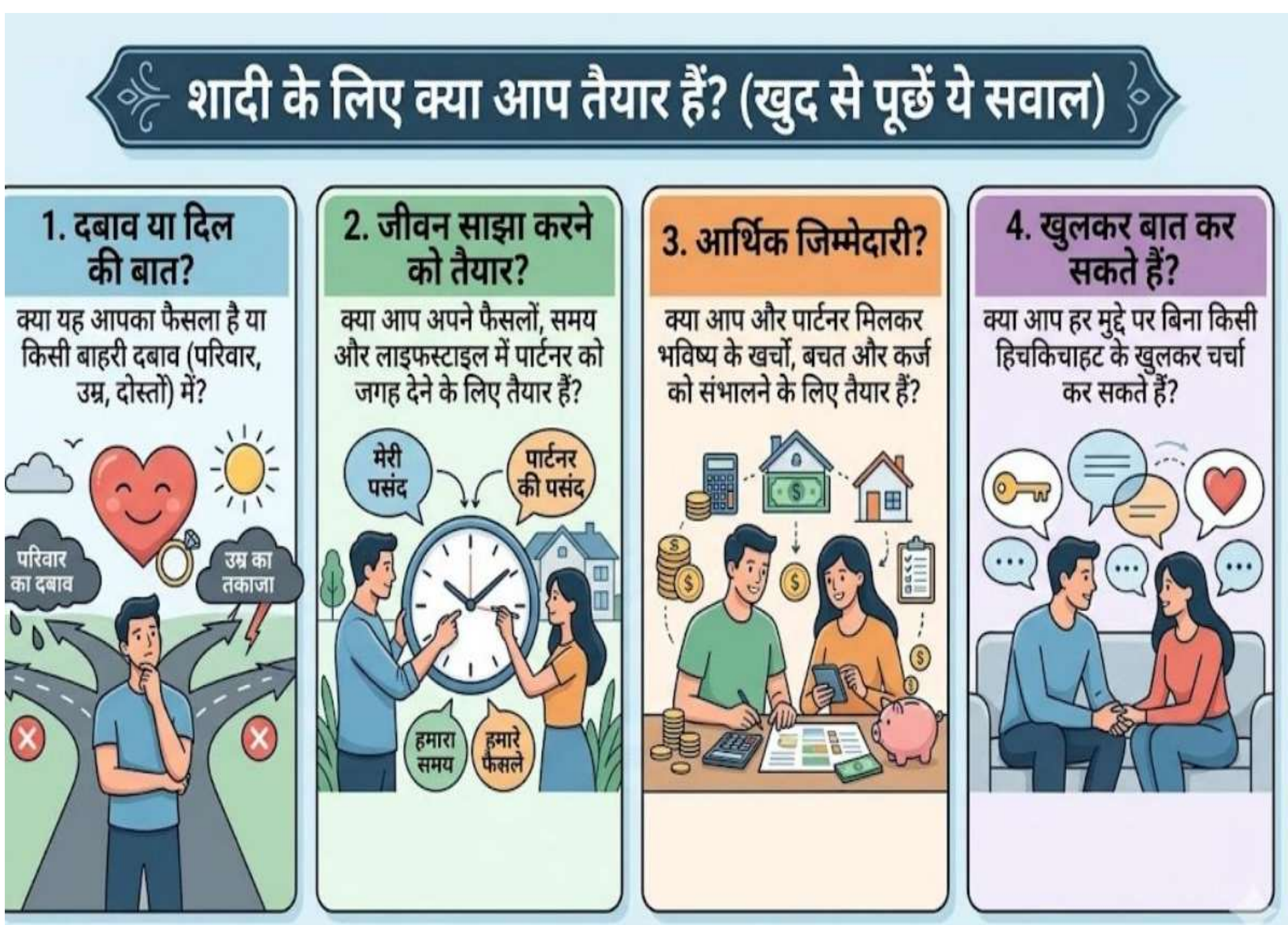

What should diabetes and high blood pressure patients eat during Navratri fasting? Learn the right diet from a nutritionist.

Navratri fasting is also an opportunity to purify and balance the body and mind. A nutritious and light diet can be very beneficial for health. Eat a balanced diet, avoiding fried foods and sweets. Diabetics should eat light meals every 2-3 hours. Those with high blood pressure should limit salt and consume adequate fluids. Many people fast throughout Navratri. Often, they consume fried foods, sweets, or excessive carbohydrates, which can adversely affect their health. According to Dr. Shubhada Bhanot (Senior Nutritionist and Diabetes Educator, Max Hospital, Delhi), a balanced diet is beneficial during fasting. Importance of nutrition during fasting: The body continues to need energy, protein, fiber, vitamins, and minerals during fasting. Relying solely on potatoes, sago, or fried foods can cause blood sugar to fluctuate, leading to weakness and fatigue. Therefore, maintaining balance is essential. Precautions for Diabetes: Before fasting, consult your doctor about changes in insulin/tablet dosages. Avoid prolonged periods of starvation. Consume light foods like fruits, makhana, roasted nuts, whey, buttermilk, or sama rice (rajgira) in small quantities every two to three hours. Avoid very sweet fruits (overripe bananas, sapota, grapes, etc.) and sugar or fried sago. Always include a combination of fiber and protein in your plate, such as small amounts of sama rice, raita, and salad, to prevent blood sugar spikes. Monitor your blood sugar throughout the day. If you experience dizziness, excessive sweating, nervousness, palpitations, or extreme weakness, eat something immediately and consult a doctor immediately. If your blood pressure remains high, consume rock salt in limited quantities. Consult your doctor about how to take your medications during the fast. Do not stop taking them without consulting your doctor. Eat less fried, ghee-oiled, and packaged snacks (fasting chips, farali mix, etc.); boiled, grilled, or lightly fried foods are preferable. Drink plenty of fluids like water, coconut water, buttermilk, and lemon water (with less salt and sugar) to prevent a sudden drop or rise in blood pressure due to dehydration. What to eat during fasting: Protein-rich foods: Paneer, yogurt, milk, peanuts, buckwheat, amaranth, and lotus seeds are good choices. They keep you full for longer. Fruits and vegetables: Apples, papayas, guavas, coconut water, cucumbers, and tomatoes keep you hydrated and provide vitamins and minerals. Healthy carbohydrates: In addition to sago or potatoes, buckwheat flour, water chestnut flour, and amaranth are good choices. They are high in fiber. Healthy fats: Soaked almonds, walnuts, pumpkin, and sunflower seeds provide energy and good fats. They are also beneficial for hormonal balance and the heart. Drink enough water – Water, buttermilk, yogurt, and lemon keep the body hydrated during the fast, preventing fatigue. Things to avoid during the fast: Deep-fried dishes like sabudana vada, vrat wali pakodas, etc. Excessive sweets or sweet drinks Excessive consumption of rock salt Staying hungry for long periods and then eating too much.

"Hindus are a coward community..." Vivek Sinha, who plays a terrorist in Dhurandhar, responds to trolls. What did Zahoor Mistry say in his defense?

Ranveer Singh's "Dhurandhar 2" actor Vivek Sinha faced a lot of criticism for his character Zahoor Mistry's dialogue, "Hindus are a coward community..." He even received death threats, calling him a terrorist. Now, Vivek has clarified the matter. Criticism for "Dhurandhar 2" dialogue - Actor denies being Pakistani - Vivek responds to trolls. Fans are extremely excited about Ranveer Singh's film, Dhurandhar 2. The movie is scheduled to release in theaters worldwide on March 19th, and the tremendous success of the first part has further increased the hype for Dhurandhar: The Revenge. People are closely monitoring each and every character. When the trailer for Part 2 was released, a dialogue at the beginning sparked criticism. This character is Zahoor Mistry, played by Vivek Sinha. In the scene, Vivek is seen saying that Hindus are a cowardly community. Following this, the actor faced a lot of criticism, even receiving death threats. Fans were enraged by the scene. Now, veteran actor Vivek Sinha recently responded to the criticism he received on social media regarding his character. Vivek clarified, "I am not a Pakistani." The actor explained that his comment section was flooded with messages like, "You look like a terrorist" and "You made me angry." Despite the criticism, Vivek said he was deeply touched by the attention and support he received from fans. Praising the patriotism of his followers, Vivek said, "This patriotism that we have within us, salute to you, brother." Another user told Vivek that they will kill him by entering Pakistan. In response to this, Vivek also clarified that he is a resident of Bijnor, Dhampur and is not living in Pakistan but in Mumbai. He has also worked on these projects - Vivek Sinha is an emerging Indian actor who has worked in films and television. Before playing the role of Zahoor Mistry in 'Dhurandhar', he has appeared in projects like 'Sirf Ek Banda Kaafi Hai' (2023) and 'Delhi Dark' (2023). He has worked in many different genres. He has also appeared in series like 'Modi Ji Ki Beti' (2022) and 'Delhi Crime' released in the year 2025.

The 1-hour, 29-minute Iranian film "Chhoolegi Dil" (Chooleggi Dil) has even been nominated for an Oscar; it's available on this OTT platform.

29 years ago, a cult classic that changed the fate of Iranian cinema was released in theaters. This Iranian film is a must-watch on OTT. It changed the fate of Iranian cinema - its emotional story will touch your heart. Many films have been made internationally that are rarely discussed, but are considered universally loved due to their compelling storytelling. In today's article, we'll tell you about one such 29-year-old cult classic from Iranian cinema, which remains a must-watch on OTT even after nearly three decades. Notably, this film is considered a landmark in Iranian cinema, representing the country for the first time at the Academy Awards. Let's find out what this film is. This Iranian film is a must-watch - The best movie from the Iranian film industry being discussed in this article is titled Children of Heaven. This renowned Iranian drama thriller was directed by Majid Majidi. Even after 29 years, the film is still mentioned due to its heart-warming story. The 1 hour 29 minute long Children of Heaven revolves around two siblings who are in dire financial straits. The thrill of the film's plot comes when the boy's sister loses her shoes, and the boy goes to great lengths to find them. Children of Heaven shows the importance of family unity and the unique relationship between siblings. This is why this Iranian film is considered a favorite. Furthermore, Children of Heaven is included in the top 5 movies of Iranian cinema. It's worth noting that Children of Heaven is the first Iranian film to be nominated for the Best International Feature Film category at the Oscars. Where to watch it on OTT platforms: If the information above has made you eager to watch Children of Heaven on OTT platforms, you can watch it at home on various online platforms. Children of Heaven is available on several OTT platforms, including Netflix and Amazon Prime Video.

Aditya Dhar wanted to make his first film with this Pakistani actor. Why was the Dhurandhar director's dream shattered?

Aditya Dhar wanted to make his directorial debut with a Pakistani actor. However, due to the Uri attack, that film was shelved, and he later made it with Yami. Aditya wanted to make his first film with a Pakistani actor. The film was shelved due to the Uri attack - a remake of that film was made with Yami Gautam. Aditya Dhar made his directorial blockbuster debut with the Vicky Kaushal-starrer "URI: The Surgical Strike." Although Aditya wanted to make his debut with Fawad Khan, the heartthrob of Pakistani hearts, something else happened. Wanted to make his first film with a Pakistani actor - Aditya Dhar's first project, which was in collaboration with Dharma Productions and starring Fawad Khan, was shelved after the Uri attack in 2016. Aditya Dhar was planning to make a film titled "Raat Baaki" (2016). In 2016, Aditya Dhar was set to direct a film titled "Raat Baaki," starring Pakistani stars Fawad Khan and Katrina Kaif. Film shelved due to the Uri attack. Shooting was scheduled to begin by the end of 2016. However, in September of that year, Pakistani terrorists attacked an Indian Army camp in Jammu and Kashmir, killing 19 soldiers. This deadly attack sparked nationwide anger and protests, and an immediate ban on Pakistani artists working in India shattered Dhar's hopes of a debut. Then came the film he made with Yami. The Netflix film "Dhoom Dhaam" (2024), starring Yami Gautam and Pratik Gandhi, is essentially a remake of Aditya Dhar's shelved project, "Raat Baaki." Speaking to Bollywood Hungama in 2025, Dhar said, "It's true. The story is the same, but we've made some changes." We have made it according to today's times'. However, Aditya had produced this film and its director was Rishabh Seth. Audience is waiting for 'Dhurandhar 2' - Now Aditya Dhar is in the news with 'Dhurandhar'. The film released in December broke many earning records and now its second part Dhurandhar The Revenge is being eagerly awaited. Starring Ranveer Singh, Sanjay Dutt, Arjun Rampal and R. Madhavan, this film will be released in theatres on March 19.